केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 114 रविवार 17 नवम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

लोन दिलाने के नाम पर हड़पे 14 लाख: मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कोतवाली पुलिस ने बड़ा लोन दिलाने के नाम पर 14 लाख से अधिक की धनराशि हड़पने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लोन न मिलने पर जब ग्राहकों ने पैसा मांगा तो जानमाल की धमकी दी जाने लगी। कोतवाल राणा डीपी सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज छानबीन शुरू कर दी गई है।

सुल्तानपुर जनपद के गोसाईगंज थानाक्षेत्र के अमिलिया निवासी विपिन कुमार यादव वर्तमान पता बड़ेवन बस्ती ने तहरीर में आरोप लगाया है कि विपक्षियों ने बड़े लोन का लालच देकर कई ग्राहकों को अपने विश्वास में ले लिया। उनके विश्वास का फायदा उठाकर फरवरी 2024 में 14 लाख 73 हजार 829 रुपया हड़प लिया। इसकी जानकारी होने पर जब ग्राहकों ने पैसा वापस मांगना शुरू किया तो उन्हें धमकी दी जाने लगी।

कोतवाली पुलिस ने तहरीर के आधार पर कुशीनगर के रामकोला थानाक्षेत्र के रहने वाले निगम साहनी और गोविन्द साहनी के खिलाफ आईपीसी की धारा 406 व 506 के तहत मुकदमा दर्ज कर विवेचना बड़ेवन चौकी प्रभारी रामानन्द सिंह को सौंप दी गई है।

रोजगार सेवक व सचिव पर गबन का मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कलवारी पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर करीब 14 साल पुराने मामले में केस दर्ज किया है। बेलवाडाड़ निवासी डॉ. प्रेमनारायन ने तहरीर में बताया है कि पूर्व प्रधान, रोजगारसेवक व सचिव ने साजिश कर विभिन्न मनरेगा परियोजनाओं में रमेश चंद्र की फर्जी हाजिरी लगवाकर सरकारी धन उसके खाते में भेजा।

खाते से पैसा निकलवाकर सभी ने आपस में बांट लिया। 22 दिसंबर 2010 को बहादुरपुर ब्लॉक के पकड़ी छब्बर में एक खेत के सामने बेलवाडाड़ पडरी सरहद नाम कार्ययोजना में रमेश चंद्र ने कोई मजदूरी नहीं की। फिर से उस दिन की फर्जी हाजिरी लगाकर मनरेगा का सरकारी धन उसके खाते में भेजा गया।

पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर अर्चना देवी, तत्कालीन रोजगार सेवक, सचिव व अन्य अधिकारी व कर्मियों के खिलाफ आईपीसी 406 के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

ई–रिक्शा के रूट निर्धारण की प्रक्रिया शुरू

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। यातायात माह नवंबर में ई–रिक्शा के रूट निर्धारण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

सीओ यातायात सत्येंद्र भूषण तिवारी यातायात के निर्देश पर प्रभारी यातायात अवधेश तिवारी ने रूट निर्धारण को लेकर लाउडस्पीकर से चौराहों, तिराहों और कस्बे में प्रचार–प्रसार कर यह सूचना दी है। सूचना है कि 15 नवंबर से 21 नवम्बर के बीच ई–रिक्शा चालकों का रूट निर्धारण बड़ेबन कार्यालय पर रोजाना सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक पंजीकरण करा लें।यह पंजीकरण नि:शुल्क होगा। पंजीकरण के लिए ई–रिक्शा चालकों को अपना ड्राइविंग लाइसेंस, मोबाइल नंबर और ई–रिक्शा मलिक को अपना आधार कार्ड लाना अनिवार्य होगा। बस्ती शहर में भीड़ भाड़, जाम से छुटकारा पाने के लिए, ई–रिक्शा रूट व्यवस्था बनाया जा रहा है।

झांसी मेडिकल कॉलेज में लगी आग के बाद 10 बच्चों की मौत: 16 की स्थिति गंभीर

झांसी (आभा)। झांसी स्थित मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू में आग लगने से 10 नवजात जिंदा जल गए। जबकि 16 जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। घटना को लेकर सरकार सख्त है। मामले में की जांच के लिए चार सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। इस कमेटी को सात दिन में रिपोर्ट सौंपनी होगी। टीम का नेतृत्व डीजीएमई करेंगे।

बताते चलें कि महारानी लक्ष्मी बाई मेडिकल कॉलेज उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के सबसे बड़े सरकारी अस्पतालों में से एक है। इस अस्पताल के नवजात गहन चिकित्सा इकाई (एनआईसीयू) में शुक्रवार रात में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग में जलकर 10 बच्चों की मौत हो गई। घटना में अन्य 16 बच्चे घायल होकर जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। बताया जा रहा है कि जिस वार्ड में आग लगी, उसमें कुल 55 बच्चे थे।

बच्चों की मौत को लेकर जहां एक ओर चीख–पुकार मची थी, बच्चों को बचाने के लिए डॉक्टर और अस्पताल का स्टाफ इधर–उधर दौड़ रहा था तो वहीं दूसरी ओर प्रशासन इस पर लीपा पोती करने में जुट गया।

इतनी बड़ी संख्या में हुई नवजात की मौत के बाद परिजनों में चीख–पुकार मची थी। अस्पताल में

आग लगने के बाद डॉक्टर और स्टाफ इधर–उधर दौड़ रहा था, लेकिन प्रशासन को न तो परिजनों की चीत्कार सुनाई दे रही थी और न ही मेडिकल कॉलेज में हुए इस हादसे का मंजर दिखाई दे रहा था। वह तो केवल शनिवार को होने वाले डिप्टी सीएम के दौरे की तैयारियों में लगा था। झांसी मेडिकल कॉलेज में हुए दर्दनाक हादसे के बीच शुक्रवार की देर रात ही प्रशासन की बेशर्मी की एक तस्वीर भी साफ दिखाई दी। दो कर्मचारी मंत्री के स्वागत के लिए रंगरोगन करते नजर आए। दोनों सड़क के किनारे चूना डाल रहे थे। इसका वीडियो जब सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो विपक्ष ने कई सवाल खड़े कर दिए।

झांसी हादसे के बीच रंगरोगन की जानकारी जब डिप्टी सीएम तक पहुंची तो वह ऐक्शन में आए। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने झांसी पहुंचने से पहले सड़कों पर चूना डाले जाने के मामले पर जिलाधिकारी को कार्रवाई के लिए आदेश दे दिया। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा जिन लोगों ने चूना डालने आदि जैसा कृत्य किया है वो स्वीकार योग्य नहीं है। डिप्टी सीएम ने जिलाधिकारी झांसी को ऐसे लोगों को चिन्हित करके कार्रवाई के आदेश दिए हैं। ब्रजेश पाठक आधी रात को ही झांसी रवाना हो गए थे। रात भर सफर करके झांसी पहुंचे। परिजनों से मिले। सांत्वना व्यक्त की। जांच के आदेश दिए। रेस्क्यू कराए गए बच्चों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को कहा, श्घटना में 10 नवजात बच्चों की मौत हो गई है। झांसी मेडिकल कॉलेज के अन्य वार्ड में 16 बच्चों का इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि यह घटना बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण हुई और उन्होंने आश्वासन दिया कि दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। शनिवार को 'एक्स' पर बृजेश पाठक ने कहा, श्झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के नवजात शिशु गहन चिकित्सा कक्ष (एसएनसीयू वार्ड) में अग्निकांड की हुई दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना की त्रिस्तरीय जांच के निर्देश दिए गए हैं। प्रथम दृष्टया आयुक्त झांसी एवं उपमहानिरीक्षक झांसी द्वारा 24 घंटे में जांच कर रिपोर्ट प्रेषित करने के निर्देश जारी किए हैं। अग्निशमन विभाग द्वारा भी जांच की जाएगी। साथ ही घटना की मजिस्ट्रेट जांच के निर्देश भी दिए गए हैं। झांसी में पाठक ने पत्रकारों से कहा, श्हम बच्चों के साथ उनके परिजनों की भी पहचान कर रहे हैं।

दहेज के लिये विवाहिता को मारा पीटा एसपी से दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । दहेज को लेकर उत्पीड़न की शिकार ओपेक चिकित्सालय कैली में भर्ती विवाहिता ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर पति राहुल, सास सावित्री, ननद संगीता, सुनीता, संगीता के पुत्र सचिन उर्फ लड्डू, पुत्री मानसी उर्फ पूजा, निधि, सुनीता की पुत्री प्रिया, खुशी, जेठ राजकुमार, उनके पुत्र सोनू और मोनू के विरूद्ध समुचित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर उनके विरूद्ध कार्रवाई, गिरफ्तारी और अपने व 7 वर्षीया पुत्री आस्था के जान माल की गुहार लगाया है।

एसपी को दिये पत्र में लालगंज थाना क्षेत्र के बनकटी बाजार निवासिनी सुमित्रा ने कहा है कि उसका विवाह राहुल पुत्र स्वर्गीय रामसहाय के साथ 14–02–2013 को हुआ था। उसके पिता नगर थाना क्षेत्र के कस्बा नगर थाना नगर निवासी शिवशंकर ने काफी दहेज देकर विवाह सम्पन्न कराया था। पहले तो सब कुछ ठीक ठाक रहा, यह बताया गया था कि राहुल सरकारी नौकरी में है किन्तु वह झूठी बात निकली, यही नही उसका दूसरी औरतों से अवैध सम्बन्ध भी है। कुछ दिनों के बाद सुमित्रा पर और दहेज लाने का दबाव डाला गया। विरोध करने पर उसके कमरे में बंद कर उत्पीड़ित किया गया और भोजन पानी भी बंद कर दिया गया। यही नहीं उसे अपमानित करने के नीयत से सचिन उर्फ लड्डू पुत्र संगीता द्वारा दुष्कर्म करने का कुचक्र रचा गया। उसके हत्या की कोशिश की गई। किसी तरह से जान बचाकर वह अपने भाई की मदद से नैहर नगर बाजार पहुंची। इसके पूर्व महिला परामर्श केन्द्र पर लिखित समझौता भी हुआ था। वह समझौते के तहत अपने ससुराल पहुंची किन्तु उसका उत्पीड़न बंद नहीं हुआ। संगीता को डर है कि अब यदि वह फिर अपने ससुराल गई तो उसकी हत्या कर दी जायेगी। उसने कैली अस्पताल से पुलिस अधीक्षक को पत्र भिजवाकर मांग किया गया है कि दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाय।

वीरांगना ऊदा देवी के योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कांग्रेस पार्टी कार्यालय पर 1887 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के छक्के छुडाते हुये 36 अंग्रेजों को मौत के के घाट उतारने वाली शहीद वीरांगना ऊदा देवी की पुण्यतिथि पर उनको याद किया गया। ज्ञानेन्द्र जिलाध्यक्ष पाण्डेय पाण्डेय की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में पार्टी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने ऊदा देवी के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके अदम्य साहस पर चर्चा किया। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी देवेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा ऊदा देवी की वीरता देशवासियों को सदियों तक प्रेरित करती रहेगी।

ऊदा देवी की कहानी ने आज़ादी की लड़ाई में दलितों और औरतों की भूमिका को रोशन किया है. ये विशाल भारत के गणतंत्र में असली गण की पहचान कराती है। जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने कहा ऊदा देवी सामान्य महिला नही थीं। उन्होने 36 अंग्रेजों को मौत के घाट उतार दिया और खुद पीपल के पेड़ पर चढ़ गईं। अंग्रेजी सैनिकों ने उन्हे चारों ओर से घेर लिया। वे आज के ही दिन 16 नवम्बर 1857 को अंग्रेजों की गोली से शहीद हुईं। खून से लथपथ पेड़ से नीचे गिरीं तो ऊदा देवी की पहचान हुईं। इससे पहले लोग उन्हे पुरूष समझते थे। कार्यक्रम का संचालन प्रवक्ता मो. रफीक खां ने किया। डीएन शास्त्री, लक्ष्मी यादव, बृजेश पाण्डेय, अवधेश सिंह, अलीम अख्तर, शौकत अली नन्हू, रविप्रताप चौधरी, प्रशान्त पाठक, मनीष चौधरी, महेश्वरी मौर्य, यशराज केके, सर्वेश शुक्ल, सुधीर यादव, उमाशंकर त्रिपाठी, अतीउल्लह, नफीस अहमद, शकुन्तता देवी, धर्मेन्द्र कुमार, रामचन्द्र राजभर आदि मौजूद रहे।

ठेकेदारों ने धरना देकर किया निविदा का बहिष्कार, मुख्य अभियन्ता को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शनिवार को ठेकेदार एसोसिएशन के अध्यक्ष अमर सिंह उर्फ जय नरायन सिंह के नेतृत्व में एसोसिएशन पदाधिकारियों ने समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर लोक निर्माण विभाग के बस्ती परिक्षेत्र के अधीक्षण अभियन्ता कार्यालय के समक्ष धरना देकर विरोध प्रदर्शन के साथ ही निविदाओं का बहिष्कार किया। चेतावनी दिया कि यदि समस्याओं का समाधान न हुआ तो वे दमनकारी नीति के विरोध में प्रान्तीय आवाहन पर सोमवार को लखनऊ में मुख्य अभियन्ता कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियन्ता को सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि पिछले तीन वर्षों से लो. नि.वि. विभाग द्वारा नित्य नये नियम बनाये जा रहे लोनिवि के लिए अत्यन्त घातक सिद्ध होते चले आ रहे हैं। एसोसिएशन अध्यक्ष अमर सिंह उर्फ जयनरायन सिंह ने कहा कि कोषागार प्रणाली के कारण डिपाजिट के भुगतान न होने से हजारो करोड़ रूपया

ठेकेदारों के फंस गये है। एसोसिएशन के महामंत्री गोविन्दनाथ पाण्डेय ने कहा कि रायल्टी सम्बन्धित कारण से ठीकेदारों पर 6 गुना अर्थदण्ड लगाया जा रहा है जिससे ठेकेदारों का भारी नुकसान हो रहा है।नयी व्यवस्था में ग्रामीण मार्गो पर पांच वर्षीय अनुरक्षण लागू किया जा रहा है जिसमें लोक निर्माण विभाग के अधिकारी खुद भी असमंजस में है। शासनादेश जारी हो गया लेकिन एसओपी जारी नहीं हो पा रहा है। अधिकारी खुद समझ नहीं पा रहें है कि इस नियम को कैसे लागू किया जाय जबकि प्रमुख अभियन्ता द्वारा खुद नियम बनाया गया था, स्वीकृति के प्रत्याशा में कोई निविदा आमंत्रित नहीं की जायेगी परन्तु स्वीकृति के प्रत्याशा में विभाग द्वारा निविदा निकालना शुरू हो गया, ऐसे में नियम बनाने वाले अधिकारी ही नियमों की धज्जियां उड़ा रहे है। धरने को वरिष्ठ उपाध्यक्ष रविन्द्रनाथ मिश्र, जैसराम चौधरी, गुड्डू पाण्डेय, अजमत आदि ने सम्बोधित करते हुये कहा कि समस्याओं के समाधान के लिये अनेक पत्रों के माध्यम से ठेकेदारों की समस्या शासन–प्रशासन को पहुँचाई गयी लेकिन अभी तक उसका कोई भी निवारण विभाग द्वारा नहीं किया गया और ना ही ठेकेदारों की छः सूत्रीय मांगो पर अनुरक्षण में बदलाव किया गया । लोनिवि द्वारा पहले से ही सड़को को प्रधानमंत्री सड़क योजना की तरह नहीं बनाया गया है, न उस तरह से स्टीमेट ही बनाया गया है। बाजार एवम् कस्बों में नाली निर्माण हो, बाढ़ प्रभावित सड़के के सम्बन्ध में नई नीति लोनिवि और सड़क के रख–रखाव के लिए 25 प्रतिशत दिया जाए जैसे प्रधानमंत्री योजना के सड़को पर दिया जा रहा है। उसके बाद ही पांच वर्ष का अनुरक्षण लागू किया जाय।

धरने में मुख्य रूप से वालों में अशोक सिंह, जयन्त्री सिंह, बबलू पाण्डेय, भुनेश प्रताप सिंह, राघवराम यादव, अरूण मिश्र, उमेश तिवारी, संतराम चौधरी, चन्द्रेश सिंह, राम नरेश, परशुराम सिंह, वीरेन्द्र श्रीवास्तव, अजय तिवारी, रोहित मिश्रा, इन्द्रजीत सिंह, रामचन्द्र सिंह, हरिनरायन दूबे, ओम प्रकाश पाण्डेय, करीम अहमद, महादेव यादव, रिकूं पाल, बी.के. श्रीवास्तव, दीना वर्मा, घनश्याम गुप्ता, संजू पाण्डेय, राकेश पाण्डेय, राजेश सिंह, बब्बल, शत्रुघ्न पाल, रामचन्द्र सिंह के साथ ही अनेक ठेकेदार शामिल रहे।

चुनाव आयोग ने नड्डा, खड़गे से मांगा जवाब

नई दिल्ली (आभा)। चुनाव आयोग ने शनिवार को बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को अलग–अलग पत्र भेजकर एक–दूसरे की शिकायत पर टिप्पणी करने को कहा है। आयोग ने दोनों पक्षों से औपचारिक प्रतिक्रिया मांगते हुए उनके बीच शिकायतों का आदान–प्रदान किया। ईसीआई ने पार्टी नेताओं को लोकसभा चुनाव के दौरान 22 मई, 2024 को दी गई एक पूर्व सलाह की याद दिलाई, जिसमें उन्हें स्टार प्रचारकों और नेताओं पर नजर रखने के लिए कहा गया था ताकि सार्वजनिक मर्यादा का उल्लंघन न हो और चुनाव के दौरान एमसीसी का अक्षरशः पालन किया जा सके।

यह महाराष्ट्र और झारखंड में चल रहे विधानसभा चुनावों में भाजपा और कांग्रेस द्वारा चुनाव आयोग से एक–दूसरे के खिलाफ शिकायत करने के बाद आया है। कांग्रेस ने भारत के चुनाव आयोग से महायुति अभियान को बढ़ावा देने के लिए मराठी भाषा के टेलीविजन धारावाहिकों में रणनीतिक रूप से विज्ञापन दिए जाने की शिकायत की है। एक मराठी टेलीविजन चौनल कल से विज्ञापन चला रहा है जिसमें धारावाहिक के एक विशेष दृश्य के बाद शिव सेना के अभियान [illegible] का

एक होर्डिंग दिखाया गया है। महाराष्ट्र कांग्रेस के महासचिव सचिन सावंत ने विज्ञापन लगाने को लेकर राज्य चुनाव आयोग से शिकायत की.

सावंत ने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए राज्य चुनाव आयोग के अधिकारियों से संपर्क किया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि कुछ मुस्लिम संगठन अपने समुदाय के सदस्यों से धर्म के आधार पर इंडिया ब्लॉक को वोट देने की अपील करके महाराष्ट्र और झारखंड में चुनावी माहौल को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, और चुनाव आयोग और सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के पदाधिकारी मौलाना सज्जाद नोमानी ने कहा कि संगठन ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 269 सीटों पर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) और कुछ सीटों पर अन्य गैर–भाजपा दलों को समर्थन देने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि नोमानी ने मुसलमानों से एमवीए को वोट देने की अपील करते हुए कहा है कि 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजे न केवल राज्य के भविष्य पर बल्कि पूरे देश के भविष्य पर असर डालेंगे। भाटिया ने दावा किया कि इससे पहले जमीयत उलेमा–ए–हिंद की लोहरदगा इकाई ने मुसलमानों से झारखंड में कांग्रेस–जेएमएम– आरजेडी–सीपीआई (एमएल) लिबरेशन गठबंधन के लिए एकजुट होकर वोट करने की अपील की थी।

समाधान दिवस में 6 मामले निस्तारित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन बस्ती सदर तहसील सभागार में सम्पन्न हुआ। उन्होने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसमस्याओ का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समयबद्धता के साथ करें।

उप जिलाधिकारी शत्रुध्न पाठक ने बताया कि सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 44 मामले प्राप्त हुए, जिसमें से 06 का मौके पर निस्तारित किया गया। इसमें राजस्व के 16, पुलिस के 12, विकास के 06, चकबन्दी व खाद्य एवं रसद के 02–02, तथा

अन्य के 06 मामले है।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में सीएमओ डा. आर.एस. दुबे, पीडी राजेश कुमार, ईओ नगरपालिका सुनिष्ठा सिंह, डीपीआरओ रतन कुमार, क्षेत्राधिकारी पुलिस सतेन्द्र भूषण तिवारी, समाज कल्याण अधिकारी श्रीप्रकाश पाण्डेय, जिलापूर्ति अधिकारी सत्यवीर सिंह, तहसीलदार सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहें।

14 सूत्रीय मांगों को लेकर पिछड़ा वर्ग मोर्चा का धरना 5 दिनों से जारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के मण्डल अध्यक्ष राम सुमेर यादव जनहित के 14 सूत्रीय मांगों और गौर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत पतिला में विकास कार्यो, मनरेगा मजदूरी में मनमानी आदि की जांच कराये जाने की मांग को लेकर शास्त्री चौक पर 5 दिनों से लगातार धरना जारी है। अभी तक प्रशासन ने धरने को प्रभावी ढंग से संज्ञान में नहीं लिया है। राम सुमेर यादव का कहना है कि जब तक समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता उनका धरना जारी रहेगा। धरने को भारत मुक्ति मोर्चा के जिलाध्यक्ष आर.के. आरतियन ने भी अपना समर्थन देकर समस्याओं के निस्तारण की मांग किया।

धरने पर बैठे राम सुमेर यादव ने मनरेगा मजदूरों की मजदूरी न्यूनतम 500 रूपया किये जाने, 60 वर्ष की आयु में पात्रों को न्यूनतम 10 हजार रूपये की पेंशन दिये जाने, गरीबी रेखा से ऊपर उठाये गये

पच्चीस करोड़ परिवारों की ग्राम पंचायतवार सूची प्रकाशित किये जाने, श्रम कानूनों के अनुसार न्यूनतम वेतन, मानदेय 15 हजार रूपया करके बीमा का लाभ दिये जाने, मनरेगा मजदूरों को वर्ष में 200 दिन का काम दिये जाने, आई.जी.आर.एस. मामलों में कार्यालय में बैठकर निस्तारण की जगह जमीनी धरातल पर मौके पर जाकर उसका निस्तारण किये जाने, गौर विकास खण्ड के ग्राम पंचायत पतिला में विकास कार्यो, मनरेगा मजदूरी में मनमानी आदि की जांच कागजों में न करके नये सिरे से भौतिक सत्यापन कराया जाय। गौर विकास, मनरेगा, मस्टररोल के अनुसार मजदूरों द्वारा किये गये दैनिक कार्य की जांच कराने के साथ ही अनियमितता में पुष्टि पर दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों के विरूद्ध कार्रवाई किये जाने आदि की मांग शामिल है।

धरने को मुख्य रूप से विनय कुमार, चन्द्र प्रकाश गौतम, ठाकुर प्रेम नन्दबंशी, हृदय गौतम, संदीप कुमार, दुर्गेश कुमार, भगवानदीन यादव, कृपाशंकर चौधरी, राम कपीश यादव, अरविन्द कुमार, ललित कुमार आदि समर्थन दे रहे हैं।

श्री गंगा कलश यात्रा का भव्य स्वागत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। श्री गंगा कलश यात्रा का पशुपतिनाथ से जलाभिषेक के उपरांत वापसी पर हरैया विकासखण्ड के तिनौता गांव में शनिवार को वरिष्ठ समाजसेवी जगदीश प्रसाद शुक्ल के नेतृत्व में भव्य स्वागत किया गया।

श्री गंगा कलश यात्रा की अगुवाई कर रहे गंगोत्री धाम के रावल शिवप्रकाश महाराज ने बताया कि गंगोत्री धाम के पटाक्षेप के दिन प्रत्येक वर्ष गंगा जी का दिव्य कलश भरकर नेपाल के काठमांडू स्थित श्री पशुपतिनाथ मंदिर पर पहुंचाया जाता है जो कि विश्व का सबसे बड़ा कलश है जिसकी क्षमता 1100 लीटर से ज्यादा है। इस बड़े कलश के जल से वर्ष पर्यंत श्री पशुपतिनाथ जी का जलाभिषेक किया जाता है। कहा कि जल से भरे कलश को एक स्पर्श करने मात्र से ही श्री पशुपतिनाथ

जी को साल भर जलाभिषेक करने के बराबर फल मिलता है। जगदीश प्रसाद शुक्ल ने कहा कि गंगा भारतीय संस्कृति व सनातन धर्म की पहचान है। श्री गंगा कलश यात्रा का स्वागत करना हम सभी के लिए सौभाग्य का विषय है।

इस अवसर पर पं. धरणीधर मिश्र, लक्ष्मीकान्त ओझा, अम्बिका प्रसाद ओझा, माधव दास ओझा, शिव बहादुर ओझा, उमाकांत तिवारी, इंद्रा ओझा, विंदेश्वरी ओझा, अर्जुन उपाध्याय, जगदंबा प्रसाद ओझा, कृपाशंकर ओझा, प्रेम शंकर ओझा, संतोष कुमार शुक्ल, शिव शंकर शुक्ल, अमरनाथ शुक्ल, विवेक कान्त पाण्डेय, रवीश कुमार मिश्र, वेद प्रकाश मिश्र, रत्नेश चौहान, लवकुश ओझा, अंशू, प्रिंशू, देवांश आदि उपस्थित रहे।

–गंगा भारतीय संस्कृति की पहचान – जगदीश शुक्ल

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 नवम्बर 2024 रविवार

सम्पादकीय

बुलडोजर पर अंकुश

सही मायनों में यह सुप्रीम कोर्ट का एक सख्त फैसला था, लेकिन यह समय की जरूरत भी थी। कथित बुलडोजर न्याय पर रोक लगाकर शीर्ष अदालत ने यह संदेश दिया है कि संविधान प्रदत्त नागरिक अधिकारों का कार्यपालिका मनमाने तरीके से अतिक्रमण नहीं कर सकती। निश्चित रूप से किसी भी मामले में एक आरोपी पर मुकदमा चलाए बिना ही दंड देना, नैसर्गिक न्याय की अवधारणा के ही विरुद्ध है। लेकिन साथ ही अदालत ने यह भी साफ कर दिया कि सरकारी संपत्ति और सार्वजनिक स्थलों पर होने वाले अवैध निर्माण इस आदेश की परिधि में नहीं आते। दरअसल, हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश से शुरू हुआ कथित बुलडोजर न्याय का सिलसिला दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश, राजस्थान से लेकर असम तक जा पहुंचा। कई राज्यों ने अपराधी तत्वों पर अंकुश लगाने की मंशा जाहिर करते हुए बुलडोजर से दंड देने को कारगर तरीका मान लिया। जिसको लेकर सामाजिक प्रतिक्रिया के साथ ही राजनीतिक दलों की ओर से भी सख्त विरोध दर्ज किया गया। उन्होंने इसे अतार्किक और प्रचलित कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन बताया। हालांकि, समाज में आम लोगों के एक वर्ग में इसके प्रति समर्थन भी देखा गया। जिसका मानना था कि न्यायिक प्रक्रिया में दंड देने की अवधि खासी लंबी होती है। जिसके चलते धनबल और बाहुबल के आधार पर अपराधी मामले को लंबा खींचने में सफल हो जाते हैं। दरअसल, समाज के एक वर्ग में इस शीघ्र न्याय की आकांक्षा की सरकारों ने अपनी प्राथमिकताओं व सुविधाओं के अनुसार व्याख्या कर दी। वहीं दूसरी ओर प्रशासनिक स्तर पर इस कार्रवाई के बचाव में कई तरीके के तर्क गढ़े जाते रहे। जिसके चलते बुलडोजर न्याय की तार्किकता को लेकर दुविधा पैदा हुई। यही वजह है कि शीर्ष अदालत ने ऐसे तमाम सवालों पर मंथन करते हुए कानूनन और संवैधानिक दृष्टि से नागरिकों के अधिकारों की रक्षा को लेकर महत्वपूर्ण फैसला दिया। जो आम नागरिकों को सत्ता की निरंकुशता से बचाव का कवच उपलब्ध कराता है। साथ ही यह फैसला न्याय व्यवस्था के प्रति जनता के भरोसे को भी बढ़ाता है।

इसमें दो राय नहीं कि इस फैसले के जरिये शीर्ष अदालत ने कार्यपालिका को उसकी सीमा का अहसास ही कराया है। दूसरे शब्दों में, खुद ही आरोप तय करके और खुद ही न्याय करने की लोकसेवकों की कोशिश को सिरे से नकार दिया है। कोर्ट ने आईना दिखाया कि शासन–प्रशासन ने अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर अन्याय करने वाले कथित बुलडोजर न्याय को तार्किक बताने का प्रयास किया। जबकि बिना मुकदमा चलाये किसी को सजा देने का अधिकार किसी लोकसेवक को नहीं है। वैसे भी किसी भी अपराधी के कृत्य की सजा उसके पूरे परिवार को नहीं दी जा सकती। किसी एक घर को बनाने में व्यक्ति के जीवन की पूरी पूंजी लग जाती है। जिसे कुछ घंटों में बिना प्रतिवाद का मौका दिए ध्वस्त करना, जंगलराज का ही पर्याय कहा जा सकता है। यही वजह है कि अदालत ने अपने फैसले में कहा कि यदि किसी व्यक्ति का घर तोड़ने की कार्रवाई कानून की प्रक्रिया के विरुद्ध पायी जाती है तो तोड़े गए घर को बनाने का खर्च संबंधित अधिकारी के वेतन से काटा जाएगा। लेकिन दूसरी ओर अपने फैसले के आलोक में शीर्ष अदालत यह बताने में नहीं चूकी कि यह फैसला सरकारी जमीन, सार्वजनिक स्थलों मसलन रेलवे लाइन, फुटपाथ, सड़क पर किए गए अतिक्रमण या गैरकानूनी निर्माण पर लागू नहीं होगा। वैसे यह भी एक हकीकत है कि सार्वजनिक भूमि पर होने वाले अनधिकृत निर्माण और अतिक्रमण रातोंरात नहीं होते। ये अवैध कार्य राजनीतिक संरक्षण व नौकरशाही की मिलीभगत के बिना संभव नहीं हैं। कई मामलों में महीनों नहीं, सालों तक कोई कार्रवाई नहीं होती। जिससे कब्जा करने वालों के हौसले बढ़ते हैं। निश्चित रूप से किसी अवैध संरचना को समयबद्ध और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए ही ध्वस्त किया जा सकता है। साथ ही प्रतिवादी को अपनी बात रखने का मौका भी मिलना चाहिए। कह सकते हैं कि शीर्ष अदालत ने सख्त फैसला देने के साथ न्यायिक संतुलन का आदर्श प्रस्तुत किया है। जो कालांतर लोकतांत्रिक देश में संवैधानिक मूल्यों को समृद्ध करेगा।

आदिवासी समुदायों के अस्तित्व पर संकट

–पंकज चतुर्वेदी–

झारखंड के विधानसभा चुनाव में संथाल क्षेत्र में आदिवासी आबादी कम होना बड़ा मुद्दा है। वास्तव में पूरे देश में ही प्रत्येक आदिवासी समुदाय की संख्या घट रही है। झारखंड की 70 फीसदी आबादी 33 आदिवासी समुदायों की है। यहां पिछले कई वर्षों से 10 ऐसी जनजातियां हैं, जिनकी आबादी बढ़ नहीं रही है। ये आदिवासी आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक रूप से कमजोर तो हैं ही, साथ ही इनके विलुप्त होने का खतरा भी है। ऐसा ही संकट बस्तर इलाके में भी है।

देश भर की दो–तिहाई आदिवासी जनजाति मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, गुजरात और राजस्थान में रहती है, जिनकी आबादी लगातार कम होने के आंकड़े हैं। याद करना होगा कि अंडमान निकोबार और कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में बीते चार दशकों में कई जनजातियां लुप्त हो गईं। एक जनजाति के साथ उसकी भाषा–बोली, मिथक, मान्यताएं, संस्कार, भोजन, आदिम ज्ञान सब कुछ लुप्त हो जाता है।

झारखंड में आदिम जनजातियों की संख्या वर्ष 2011 में घटकर दो लाख 92 हजार रह गई। ये जनजातियां हैंकृ कंवर, बंजारा, बथुडी, बिझिया, कोल, गौरेत, कॉड, किसान, गोंड और कोरा। इसके अलावा माल्तो–पहाड़िया, बिरहोर, असुर, बैगा भी ऐसी जनजातियां हैं, जिनकी आबादी में लगातार गिरावट आ रही है। राज्य सरकार ने इन्हें पीवीजीटी श्रेणी में रखा है। एक बात आश्चर्यजनक है कि मुंडा, उरांव, संताल जैसे आदिवासी समुदाय जो कि सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और शैक्षिक स्तर पर आगे आ गए, जिनका अपना मध्य वर्ग उभर कर आया, उनकी जनगणना में आंकड़े देश के जनगणना विस्तार के अनुरूप ही हैं। बस्तर में गौंड, दोरले, धुरबे आबादी के लिहाज से सबसे ज्यादा पिछड़ रहे हैं। कोरिया, सरगूजा, कांकेर, जगदलपुर, नारायणपुर, दंतेवाड़ा, सभी जिलों में आदिवासी आबादी तेजी से घटी है।

आम आदिवासी की जितनी भी पुरानी कथाएं हैं, उनमें उनके सुदूर क्षेत्रों से पलायन और एकांतवास का मूल कारण है कि वे शांतिप्रिय तथा किसी से युद्ध नहीं चाहते थे। आज भी वे नक्सलवादी हिंसा और प्रतिहिंसा से प्रभावित होकर बड़ी संख्या में पलायन करते रहे हैं। बस्तर के बासागुड़ को ही लें, एक शानदार बस्ती थी, तीन हजार की आबादी वाला। इधर सलवा जुडुम ने जोर मारा और उधर नक्सलियों ने हिंसा की तो आधी से ज्यादा आबादी भागकर तेलंगाना के चेरला के जंगलों में चली गई। अकेले सुकमा जिले से पुराने हिंसा दौर में पलायन किए 15 हजार परिवारों में से आधे भी नहीं लौटे। एक और भयावह बात है कि परिवार कल्याण के आंकड़े पूरे करने के लिए कई बार इन मजबूर लोगों को कुछ पैसे का लालच देकर नसबंदी कर दी जाती है।

मध्य प्रदेश में 43 आदिवासी समूह हैं, जिनकी आबादी डेढ़ करोड़ के आसपास है। यहां भी बड़े समूह तो प्रगति कर रहे हैं लेकिन कई आदिवासी समूह विलुप्त होने के कगार पर हैं। इनमें भील–भिलाला आदिवासी समूह की जनसंख्या सबसे ज्यादा (59.939 लाख) है। इसके बाद गोंड समुदाय की जनसंख्या 50.931 लाख, कोल आदिवासियों की जनसंख्या 11. 676 लाख, कोरकू आदिवासियों की जनसंख्या 7.308 लाख और सहरिया आदिवासियों की आबादी 6.149 लाख है। इनकी जनसंख्या वृद्धि दर, बाल मृत्यु दर में कमी आदि में खासा सुधार है, लेकिन दूसरी तरफ बिरहुल या बिरहोर आदिवासी समुदाय की जनसंख्या केवल 52 है। कोंध समूह (मुख्यतः ओडिशा में रहने वाले) की जनसंख्या 109, परजा की जनसंख्या 137 और सौंता समूह की जनसंख्या 190 है। असल में इनका समुदाय बहुत छोटा है और इनके विवाह संबंध बहुत छोटे समूह में ही होते रहते हैं। अतः जैनेटिक कारणों से भी वंश–वृद्धि न होने की एक संभावना है। देश की करीब 55 प्रतिशत आदिवासी आबादी अपने पारंपरिक आवास से बाहर निकलकर निवास कर रही है। किसानी या जंगल उत्पादों पर अपना जीवनयापन करने वाली जनजातियों के प्राकृतिक संसाधन कम हो गए, इसके चलते उनका पलायन हुआ। यह बात स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की रिपोर्ट 'ट्राइबल हेल्थ ऑफ इंडिया' में उजागर होती है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में आदिवासियों की कुल दस करोड़ चालीस लाख लगभग आबादी में से आधी से अधिक 809 आदिवासी बहुल क्षेत्रों से बाहर रहती है। रिपोर्ट में इस तथ्य के समर्थन में 2011 की जनगणना का हवाला दिया गया है। 2001 की जनगणना में जिन गांवों में 100 प्रतिशत आदिवासी थे, 2011 की जनगणना में इन आदिवासियों की संख्या 32 प्रतिशत कम हो गई।

वैज्ञानिक शोध पत्रिका लैंसेट में प्रकाशित 2016 की एक रिपोर्ट के अनुसार आदिवासी जनजाति के लोगों का औसतन जीवनकाल 63.9 वर्ष होता है, जो कि गैर–आदिवासी लोगों से तीन वर्ष कम होता है। इसका बड़ा कारण आदिवासियों के बीच बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। प्रत्येक आदिवासी समुदाय की अपनी ज्ञान–शृंखला है। एक समुदाय के विलुप्त होने के साथ ही उनका आयुर्वेद, पशु–स्वास्थ्य, मौसम, खेती आदि का सदियों नहीं हजारों साल पुराना ज्ञान भी समाप्त हो जाता है। दुखद है कि हमारी सरकारी योजनाएं इन आदिवासियों की परंपराओं और उन्हें आदि–रूप में संरक्षित करने के बजाय उनका आधुनिकीकरण करने पर ज्यादा जोर देती हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति में बागी बिगाड़ेंगे खेल

–नीरज कुमार दुबे–

राकांपा (शरदचंद्र पवार) के अध्यक्ष शरद पवार के लिए इस बार का महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव पहले के चुनावों की तरह सामान्य नहीं है। यह चुनाव शरद पवार के लिए सिर्फ सरकार बनाने का लक्ष्य हासिल करने के लिए भी नहीं है। शरद पवार के लिए इस बार का चुनाव अपनी जीवन भर की राजनीतिक कमाई को बचाने और धोखा देने वालों को सबक सिखाने का चुनाव भी है। हम आपको याद दिला दें कि भतीजे अजित पवार ने चाचा शरद पवार द्वारा बनाई गयी पार्टी एनसीपी पर कब्जा कर लिया है। इसके अलावा छगन भुजबल, दिलीप वलसे पाटिल और धनंजय मुंडे जैसे कई नेता हैं जिनको संकट के समय शरद पवार ने राजनीतिक सहारा देकर उबारा था लेकिन वह धोखा देकर अजित पवार के साथ चले गये। इसलिए इस चुनाव में शरद पवार हर वो चाल चल रहे हैं जिससे उनको धोखा देने वालों को सबक सिखाया जा सके। जहां भावनात्मक कार्ड खेलना है वहां शरद पवार इमोशनल हो जा रहे हैं, जहां राजनीतिक चाल चलनी है वहां वह आक्रामक हो जा रहे हैं। उनको इस बार कितनी बड़ी राजनीतिक कामयाबी मिल पाती है यह तो परिणाम ही बताएंगे लेकिन इतना तो दिख ही रहा है कि महाराष्ट्र की राजनीति के वटवृक्ष माने जाने वाले शरद पवार दिन–रात कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

बारामती में लोकसभा चुनावों के दौरान शरद पवार का इमोशनल कार्ड लोकसभा चुनावों में भी चला था जब उनकी बेटी सुप्रिया सुले के खिलाफ उनके भतीजे अजित पवार ने अपनी पत्नी को चुनाव में उतार दिया था। अब अजित पवार के खिलाफ उनके भतीजे रोहित पवार को उतार कर जब शरद पवार प्रचार के लिए उतरे तो उन्होंने फिर से भावनात्मक कार्ड खेला और सक्रिय राजनीति से संन्यास के संकेत दिये। एक तरफ उन्होंने बारामती में इमोशनल कार्ड खेला तो दूसरी ओर राजनीतिक कार्ड खेलते हुए अजित पवार को घड़ी चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने से रोकने और अपनी फोटो का उपयोग करने से रोकने के लिए अदालत की शरण भी ली।

शरद पवार साथ ही उन सभी विधायकों के निर्वाचन क्षेत्रों में भी जा रहे हैं जिन्होंने अजित पवार के नेतृत्व में उनको धोखा दिया। उन विधायकों के क्षेत्रों में जाकर वह उनकी कारगुजारियों से जनता को अवगत करा रहे हैं और उन्हें सबक सिखाने के लिए कह रहे हैं। इस क्रम में शरद पवार ने पूर्व सहयोगी दिलीप वलसे पाटिल के खिलाफ मोर्चा खोला। 20 नवंबर को होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले अंबेगांव विधानसभा क्षेत्र में शरद पवार ने कहा कि दिलीप वलसे पाटिल कहते रहे कि साहेब (शरद पवार) मेरे बारे में (कुछ भी नकारात्मक) बात नहीं करेंगे, लेकिन मेरे पास कहने के लिए क्या बचा है? दिलीप वलसे पाटिल ने हमें धोखा दिया, और जिन्होंने हमें धोखा दिया है उन्हें दंडित करने की आवश्यकता है। आपको यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि देवदत्त निकम इस सीट पर भारी अंतर से जीतें।'' शरद पवार ने कहा, ''जिन्हें मैंने पद, शक्ति, अधिकार और प्रतिष्ठा दी है, उनसे मैं कुछ नहीं चाहता। आज कई लोग उनसे परेशान हैं। उनके कैबिनेट में शामिल होने का फैसला लोगों को पसंद नहीं आया। उनका कहना है कि हमारे साथ उनके बहुत अच्छे रिश्ते हैं, लेकिन ऐसा नहीं है।''

इसके अलावा, शरद पवार ने अपने पूर्व विश्वासपात्र छगन भुजबल के येवला निर्वाचन क्षेत्र में रैली को संबोधित करते हुए 2019 के चुनावों में षलत उम्मीदवारष देने के लिए लोगों से माफी मांगी। शरद पवार ने मतदाताओं से षविश्वासघातीष को हराने की भावुक अपील की, जो पिछले साल जुलाई में भुजबल के अजित पवार के साथ जाने से उन्हें लगी गहरी चोट को दर्शाता है। शरद पवार ने खुलासा किया कि राकांपा में फूट के बाद भुजबल उनके घर पहुंचे और उनके व अजित पवार के बीच सुलह कराने की पेशकश की, लेकिन वह दोबारा कभी नहीं आए। शरद पवार ने कहा कि भुजबल की कमियों को नजरअंदाज करते हुए उन्हें नेता प्रतिपक्ष से लेकर उपमुख्यमंत्री तक कई अहम पद सौंपे गए, बावजूद इसके उन्होंने राजनीतिक शालीनता की सभी सीमाएं लांघ दीं और उन्हें धोखा दिया। शरद पवार ने कहा कि भुजबल का उन्हें और दिवंगत बालासाहेब ठाकरे समेत अपने राजनीतिक गुरुओं को धोखा देने का इतिहास रहा है। उन्होंने मतदाताओं से इस दलबदलू नेता को सबक सिखाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, श्जब उन पर (भुजबल पर) कुछ आरोप लगने के बाद उन्हें जेल जाना पड़ा, तो मैं उनके साथ खड़ा रहा और यहां तक कि उन्हें महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार में एक पद भी दिया।श् शरद पवार ने कहा कि अपने आकाओं को धोखा देने वाले भुजबल येवला के लोगों से वोट मांगने आएंगे और यह तय करना आपके ऊपर है कि आप ऐसे व्यक्ति का समर्थन करेंगे या नहीं।

इसके अलावा, शरद पवार ने उपमुख्यमंत्री अजित पवार के सहयोगी एवं महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे पर भी निशाना साधा और कहा कि राकांपा में विभाजन के पीछे जो लोग हैं, उन्हें हराया जाना चाहिए। पवार ने बीड जिले के परली में आरोप लगाया कि लोगों को ''धमकाया'' जा रहा है और इसे रोकना होगा। उन्होंने कहा कि मैं जो कुछ भी दे सकता था, मैंने धनंजय मुंडे को दिया। कुछ लोगों ने हमारी पार्टी को तोड़ने में अहम भूमिका निभाई। उन्हें हराना होगा। पवार ने कहा, ''एक बार पंडित मुंडे अपने बेटे धनंजय के साथ मेरे पास आए और मदद मांगी। जब वह मुसीबत में थे तो उन्हें मेरी तरफ से मदद मिली। मैंने उन्हें (धनंजय मुंडे) एमएलसी (विधान पार्षद), परिषद में एलओपी (नेता प्रतिपक्ष), राज्य मंत्री बनाया। मैं उन्हें बीड में प्रमुख पद देना चाहता था। लेकिन यहां लोगों को परेशान किया जा रहा है और इसे रोकना होगा।

हम आपको बता दें कि शरद पवार ऐसी ही अपीलें उन क्षेत्रों में कर रहे हैं जहां के विधायकों ने पाला बदल कर अजित का दामन थामा था। देखना होगा कि पवार की अपीलें और उनकी राजनीतिक गुगलियां क्या गुल खिलाती हैं। वैसे यह तो दिख ही रहा है कि राज्य में सरकार बदलने के लिए शरद पवार वह सब कुछ कर रहे हैं जो वह कर सकते हैं। यही नहीं, विपक्षी एमवीए के घटक दलों के बीच तमाम मतभेदों को भी वही सुलझा रहे हैं और गठबंधन को एक रखे हुए हैं। हालांकि गठबंधन की असल परीक्षा चुनाव परिणाम के बाद होगी।

नेशनल प्रेस डे का महत्व

–अनन्या मिश्रा–

नेशनल प्रेस डे पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और समाज में मीडिया के योगदान को पहचानने का अवसर है। हर साल 16 नवंबर को नेशनल प्रेस डे मनाया जाता है। यह भारतीय प्रेस की स्वतंत्रता और जिम्मेदारी का प्रतीक है।

हर साल 16 नवंबर को नेशनल प्रेस डे मनाया जाता है। यह भारतीय प्रेस की स्वतंत्रता और जिम्मेदारी का प्रतीक है। साल 1966 में आज ही के दिन प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया का गठन हुआ था। बता दें कि मीडिया गुणवत्ता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने का काम करता है। नेशनल प्रेस डे पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने और समाज में मीडिया के योगदान को पहचानने का अवसर है। यह दिन अधिकारों, कर्तव्यों और उसके महत्व को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। तो आइए जानते हैं इस दिन से

जुड़ी कुछ महत्वपूर्ण बातों के बारे में. ..

बता दें कि 16 नवंबर को नेशनल प्रेस डे को मनाया जाता है। भारतीय प्रेस की स्वतंत्रता और उसकी जिम्मेदारी को सम्मानित करने के लिए यह दिन तय किया गया है। मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ होता है। नेशनल प्रेस डे के मौके पर मीडिया की भूमिका को लेकर जागरुकता फैलाने का काम किया जाता है और साथ ही इसके महत्व को भी समझाया जाता है। 16 नवंबर 1966 को नेशनल प्रेस डे की शुरूआत हुई थी और इसी दिन प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया का गठन हुआ था।

प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया का उद्देश्य मीडिया की स्वतंत्रता और जिम्मेदारी को तय करना है। यह दिन भारतीय प्रेस के लिए एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ और इससे प्रेस की निष्पक्षता और गुणवत्ता को बढ़ावा मिला।

इसका मुख्य काम भारतीय मीडिया में नैतिकता और जिम्मेदारी को बढ़ावा देना है। प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया पत्रकारिता के उच्च मानकों को बनाए रखने का काम करती है। इसके साथ ही यह संस्था मीडिया की स्वतंत्रता की रक्षा करने और प्रेस से जुड़ी शिकायतों का समाधार करने का काम भी करती है। यह संस्था पत्रकारों को सहारा और मार्गदर्शन भी प्रदान करती है।

नेशनल प्रेस डे का महत्व मीडिया की स्वतंत्रता और उसके कर्तव्यों की याद दिलाता है। यह दिन मीडिया के क्षेत्र में सत्यनिष्ठा, जिम्मेदारी और निष्पक्षता की जरूरत को समझता है। साथ ही यह समाज में जागरुकता फैलाने के साथ एक मजबूत स्तंभ के रूप में भी काम करता है।

जाति ना देखो व्यक्ति की...!

–मनोज सिंह–

जाति न पूछो साधु की, पूछ लीजिए ज्ञान ,त्रिकालदर्शी संत कबीर दास ने लगभग एक हजार साल पहले यह पंक्तियां लिखी थी उस दौर में इंसान साधु स्वभाव के हुआ करते थे उस दौर में इतने ना संसाधन थे ना इतनी पैसे की हवस और ना इतना दिखावा हीं था ।

वर्तमान दौर में जिस तरह आधुनिकता की दौड़ के कारण प्रदूषण का लेवल दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है उसी तरह दूषित और स्वार्थ की राजनीति के चलते समाज में जाति और धर्म की कटुता दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है ।

जाति और धर्म अब स्वार्थ सिद्धि के साधन बन गए हैं कितने अयोग्य लोग जाति और धर्म की नाव पर बैठकर जनप्रतिनिधि बन गए हैं ।

देश में कौन सी ऐसी जाति, या धर्म है जिसमें शिक्षक डॉक्टर, वैज्ञानिक , जनप्रतिनिधि,अच्छे व्यवसायी, साहित्यकार ,समाजसेवी और किसान नहीं है जिन्होंने अपनी सादगी, और कर्म से अपने प्रतिभा का परचम ना लहराया हो, वही कौन सी ऐसी जाति और धर्म है जिसमें स्वार्थी लोभी और अपराधी प्रवृत्ति के लोग नहीं लेकिन जिन लोगों की आंखों पर इंसानियत की जगह धार्मिक उन्माद और रुढ़िवादिता का चश्मा लगा है वह लोग समाज में आंख होते हुए भी दृष्टि हीन की श्रेणी में हों गये है ।

घटिया और तुच्छ प्रवृत्ति के लोग वह लोग होते हैं जो गांव के रास्तों के चकरोडो पर अतिक्रमण किये हुए हैं गांव में भाई बन्धु और पट्टीदारों की परवाह न करके सड़कों पर इतना अतिक्रमण किए हुए हैं जिनमें चार पहिया वाहन जाना भी मुश्किल है ऐसे लोग समाज के किसी एक धर्म या जाति के न होकर हमारे और आपके परिवार के लोग हैं ऐसे संवेदनहीन लोगों को किन शब्दों से नवाजा जाएं ?.......

गांवों में प्रायः संस्कार के नाम पर जब कोई व्यक्ति इस दुनिया में नहीं रह जाता है तो उसके शोक में नजदीकी भाई बन्धु और पट्टीदार लोग 10 दिनों तक भोजन में हल्दी का सेवन नहीं करते लेकिन वही व्यक्ति जब जीवित रहता है तो 4 इंच जगह के लिए उसी व्यक्ति और परिवार से मार करते हैं गाली गलौज करते हैं थाना ,कोर्ट और कचहरी कुछ बाकी नहीं लगाते ऐसा करने वाले स्वयं भी परेशान होते हैं लेकिन अपने लोगों को भी परेशान करके आत्म सुख का अनुभव करते हैं यही समाज के वह घटिया लोग हैं जिनको अपनों के सुख में नहीं ,अपनों के दुख में सुख मिलता है ऐसे लोग प्राय ढोंगी बहुत होते हैं बाहर से सामाजिकता का तरह–तरह का खाल ओढ़ कर समाज में दिखावा करते हैं किंतु अंदर से बहुत काले होते हैं ।

समाज के सीधे साधे और नेक स्वभाव के लोगों को अगर सुखी रहना है तो ऐसे लोगों को चिन्हित करके उनसे दूरी बनाएं ना की किसी जात और धर्म के व्यक्ति से क्योंकि हर जाति और धर्म में अच्छे और बुरे दोनों तरह के लोग हैं इसलिए किसी जाति और धर्म के लोगों को बुरा कहने से बेहतर है समाज के उन लोगों का परित्याग करना चाहिए जो तुच्छ प्रवृत्ति और घटिया स्वभाव के लोग हैं 10 दिनों तक मृत्यु संस्कार के क्रिया कर्म में पाटीदार हल्दी भले ही खा लें लेकिन जीवित रहते भाईचारा के भाव से रहना चाहिए ।

14 दिन और 17 लड़कियां, रहस्यमयी तरीके से लापता, कोई बाजार तो कोचिंग कोई खेत से गायब

संवाददाता–बहराइच। बीते दो सप्ताह में जिले के विभिन्न इलाकों से 14 किशोरियां और तीन युवतियां लापता हो गईं। घरवालों ने थाने पहुंचकर इसकी सूचना दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज किया है। बेटियों की तलाश की जा रही है। हरदी थाना के एक गांव निवासी महिला ने बताया बीते नौ नवंबर को उनकी 12 वर्षीय बेटी व बहन की 13 वर्षीय बेटी खेत पर उरद काटने गई थी। तभी से घर वापस नहीं लौटी। इसी क्षेत्र निवासी एक अन्य युवक ने नौ नवंबर को अपनी 15 वर्षीय बेटी को विनय गौतम, मटेरा निवासी युवक ने चार नवंबर को 15 वर्षीय बेटी के अहमद रजा पर ले जाने, रानीपुर निवासी युवक ने 12 नवंबर को 16 वर्षीय बेटी के घर से घास काटकर लौटकर वापस न आने की जानकारी दी। दरगाह शरीफ थाना के एक गांव निवासी युवक ने बताया चार नवंबर को 14 वर्षीय बेटी कोचिंग पढ़ने गई थी। जरवलरोड थाना निवासी एक युवक ने बताया गांव निवासी अखिलेश कुमार, रामानंद व उनकी पत्नी पांच नवंबर की रात उनकी 19 वर्षीय बेटी को अपने साथ ले गए। कैसरगंज कोतवाली निवासी युवक ने बताया 27 अक्टूबर को उनकी 16 वर्षीय बेटी बाजार गई थी। अपने साथ तीन जोड़ी पायल, 46 हजार नकदी ले गई। इसी तरह मटेरा निवासी युवक के अनुसार उनकी 17 वर्षीय बेटी घर में कहासुनी होने के चलते चार नवंबर को घर से चली गई। मोतीपुर निवासी चंदा ने बताया दो नवंबर को उनकी 21 वर्षीय बेटी घर से गायब हो गई। मुर्तिहा कोतवाली के गांव निवासी युवक के मुताबिक पांच नवंबर को उनकी 16 वर्षीय बेटी को बाबू ले गया। वहीं क्षेत्र निवासी महिला ने बौंडिया निवासी रोहित, महेश, रामकुमार पर तीन नवंबर को उनकी 15 वर्षीय बेटी को ले जाने का आरोप लगाया है। विशेश्वरगंज निवासी महिला ने गोंडा भटपुरवा गोकरननाथ निवासी मोनू पर उनकी 18 वर्षीय बेटी को ले जाने का आरोप लगाया है। नानपारा कोतवाली निवासी महिला ने छह नवंबर को आठ वर्षीय बेटी के गायब होने की जानकारी दी। पयागपुर निवासी युवक ने गांव निवासी सूरज पर नौ नवंबर को अपनी 16 वर्षीय बेटी को ले जाने का आरोप लगाया है। इसी तरह फखरपुर थाना निवासी युवक ने आठ नवंबर को 16 वर्षीय बेटी के गायब होने की जानकारी दी।

430 अभिभावकों को भेजी गई बाल सेवा योजना की धनराशि

संवाददाता–महराजगंज। मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत कुल 430 लाभार्थियों के खाते में छमाही किस्त भेज दिया गया है। इसमें बाल सेवा योजना (कोविड) के तहत 203 बच्चों को 4000 प्रति माह की दर से प्रथम छमाही की किस्त कुल रुपए 4868000 का भुगतान किया गया। जबकि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के तहत 227 बच्चों को 2500 प्रतिमाह की दर से द्वितीय त्रैमासिक किश्त के रूप में कुल 1702500 का भुगतान किया गया।

जिला प्रोबेशन अधिकारी शांत प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत कोविड–19 महामारी के कारण अपने माता–पिता दोनों अथवा किसी एक को खोने वाले पीडिघ्त को लाभ दिया जाता है। इसमें उत्तर प्रदेश के निवासी 18 वर्ष तक के बच्चों को 4,000 रूपये प्रति माह की दर से भुगतान किया जाता है। इसके साथ ही 11 से 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों की शिक्षा कक्षा 12 तक निशुल्क प्रदान करने के लिए अटल आवासीय विद्यालयों तथा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालयों में प्रवेश दिया जाता है। इसके अलावा योजना की लाभार्थी बालिकाओं के विवाह योग्य होने पर विवाह के लिए 101000 रूपये की धनराशि तथा कक्षा–9 या इससे ऊपर अथवा व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर रहे 18 वर्ष आयु तक के बच्चों को लैपटॉप भी दिया जाता है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य) के तहत 18 वर्ष की आयु तक के बच्चे जिन्होंने कोरोना से इतर कारणों अपने माता–पिता में से दोनों या किसी को खोया हो उनको भी लाभ दिया जाता है। इसमें 01 मार्च 2020 के बाद माता–पिता दोनों या किसी एक को अथवा अभिभावक को खोने वाले बच्चों को लाभ दिया जाता है। इसमें 18 वर्ष तक के बच्चों का लाभ मिलता है।

दिग्विजय सिंह अध्यक्ष तो गौरी शंकर बने महामंत्री

संवाददाता–श्रावस्ती। सहायक विकास अधिकारी पंचायत के जिला कार्यकारिणी का गठन विकास खण्ड जमुनहा के सभागार में कराया गया। जिसमें सर्व सम्मति से दिग्विजय सिंह को जिलाध्यक्ष, तेजबहादुर को उपाध्यक्ष, गौरीशंकर को जिला महामन्त्री, विनोद कुमार को कोषाध्यक्ष एवं अजय प्रकाश को संगठन मंत्री के पद पर चुना गया। चुने हुए पदाधिकारियों का साथी कर्मियों ने फूल माला से स्वागत किया। इस अवसर पर निर्वाचित जिलाध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने कहा कि सभी साथियों ने जिस तरह से हम पर भरोसा जताया है।

व्यावसायिक वाहन स्वामी एक मुश्त समाधान योजना का लाभ ले –एआरटीओ

संवाददाता–श्रावस्ती। व्यावसायिक वाहन स्वामियों के लिए परिवहन विभाग एक मुश्त समाधान योजना लाया है। जिसके तहत वाहन स्वामियों को देय राशि में शत प्रतिशत छूट दी जा रही है। परिवहन विभाग की ओर से एक मुश्त शास्ति समाधान योजना लागू की गई है। इसके तहत एक अप्रैल 2020 को या उसके पूर्व पंजीकृत एवं बकाया कर के परिवहन यानों पर देय शास्ति में शत प्रतिशत छूट दी जा रही है। सहायक परिवहन अधिकारी विनीत कुमार मिश्र में बताया कि जिले के सभी व्यावसायिक वाहन स्वामियों का बकाया कर माफ किया जा रहा है। ऐसे वाहन स्वामी अविलम्ब कार्यालय के काउन्टर नम्बर दो पर सम्पर्क कर योजना का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि इस योजना के क्रियान्वयन के लिए कार्यालय के प्रवेश द्वार पर हेल्प डेस्क एवं विशेष रूप से एक काउन्टर बनाया गया है। जिस पर वे अपने वाहनों का पंजीकरण कराकर योजना का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने बताया कि पंजीकरण फीस हल्के मोटर वाहन यात्री भार 7500 किलोग्राम तक के लिए 200 रुपए और शेष भार वर्ग के वाहनों के लिए रजिस्ट्रेशन फीस 500 रुपये निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि यदि किसी आवेदक वाहन स्वामी को कोई समस्या होती है तो इसके लिए एआरटीओ से सम्पर्क कर सकते हैं।

अगहन प्रतिपदा को वैद्य मंदिर से प्रारंभ हुई अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर श्री चित्रकूट 84 कोसी परिक्रमा समिति द्वारा अगहन प्रतिपदा तिथि को अयोध्या धाम से श्री अयोध्या धाम 84 कोसी परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ वैद्य जी मंदिर अयोध्या धाम से लगभग 500 श्रद्धालुओं का जत्था महंत गोविंद दास महाराज के नेतृत्व में मखौड़ा धाम के लिए रवाना हुआ। वैद्य मंदिर महंत राजेंद्र दास महाराज ने 84 कोसी यात्रा का संचालन कर रहे महंत गोविंद दास के साथ सभी यात्रियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया और अपने आशीर्वाद के साथ मखौड़ा धाम के लिए रवाना किया। इस अवसर पर राजेंद्र दास महाराज ने कहा कि धाम की यात्रा कभी भी की जा सकती है और आज गोविंद दास महाराज के संचालन में कार्तिक पूर्णिमा के उपरांत अयोध्या धाम की 84 कोसी परिक्रमा प्रारंभ हुई है जिसकी मैं शुभकामना देता हूं और यह यात्रा विभिन्न पडाव पर विश्राम करते हुए 8 दिसंबर को पुनः अयोध्या आएगी जहां एक बार सभी यात्रियों का मैं

स्वागत सत्कार करूंगा।

परिक्रमा का संचालन कर रहे गोविंद दास महाराज ने बताया कि कार्तिक पूर्णिमा के उपरांत अयोध्या की 84 कोसी परिक्रमा का द्वितीय वर्ष श्री वैद्य जी का मंदिर से अगहन कृष्ण पक्ष प्रतिपदा तिथि से श्री चित्रकूट 84 कोसी परिक्रमा समिति द्वारा किया जा रहा है जो निरंतर चलती रहेगी। उन्होंने बताया कि इस वर्ष परिक्रमा में लगभग 500 यात्री देश के विभिन्न कोने से सम्मिलित हो रहे हैं और आने वाले वर्षों में यह संख्या बढ़ेगी यह परिक्रमा ठंडी में इसलिए रखी गई है की यात्रा करने में सुलभता होगी यात्री बीमार नहीं पड़ेंगे मच्छर नहीं लगेंगे इन सब व्यवस्थाओं को देखते हुए परिक्रमा का शुभारंभ किया गया है और आने वाले वर्षों में निरंतर चलती रहेगी आज शनिवार का विश्राम मखौड़ा धाम मैं होगा सुबह पूजन अर्चन के बाद रामरेखा हनुमान बाग श्रृंगी ऋषि आश्रम बाराही देवी होते हुए 7 दिसंबर को मखौड़ा धाम पहुंचेगी जहां पूजन अर्चन होगा और 8 दिसंबर को वैद्य मंदिर अयोध्या धाम में इसका समापन होगा।

राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

संवाददाता–गोण्डा। महाराजा देवी बख्श सिंह इंटर कॉलेज बेलसर में राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर प्रधानाचार्य एवं उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला एवं मंडलीय अध्यक्ष अजीत सिंह की अध्यक्षता में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में श्री सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय प्रेस दिवस मीडिया की स्वतंत्रता और उसके कर्तव्यों की याद दिलाता है, यह दिन पत्रकारिता के क्षेत्र में निष्पक्षता, सत्यनिष्ठा और जिम्मेदारी की आवश्यकता को समझाता है। साथ ही, यह समाज में जागरूकता पैदा करता है कि प्रेस लोकतंत्र के मजबूत स्तंभ के रूप में काम करता है। इस दौरान छात्र–छात्राओं के बीच, भारत में प्रेस की स्वतंत्रता विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें विजेता तथा उपविजेता टीम के सदस्यों दिव्यांशी उपाध्याय, अंशिका सिंह, रेवांशी पांडे, सृष्टि तिवारी, अंशिका मिश्रा, मुस्कान मिश्रा मोनिका जयसवाल, अंजली सिंह, दिव्यांशी सिंह, महक फारुकी आदि को भी पुरस्कृत किया गया। इस दौरान पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए मथुरा प्रसाद मिश्र को अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित भी किया गया। गोष्ठी का संचालन अशोक कुमार ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने मेधावियों को सम्मानित किया

संवाददाता–गोण्डा। नन्दिनी कालेज में चल रहे मंडलीय प्रतिभा सम्मान समारोह के क्रम में शनिवार को बहराईच जिले के जरवल, फखरपुर, और कैसरगंज ब्लॉक के मेधावी छात्र–छात्राओं को पूर्व सांसद बृज भूषण शरण सिंह के द्वारा मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह मे 17 इंटर कालेज के 1400 मेघावी मौजूद रहें। इसके आलावा प्रतिभागी छात्रों के स्कूल के प्रिंसिपल और शिक्षकों का भी सम्मान हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में रमन सिंह, रणधीर सिंह, सन्दीप सिंह, विपेन्द्र सिंह मंच पर मौजूद रहे। नन्दिनी के इंडोर स्टेडियम में दीप प्रज्जवलन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समारोह की शुरूआत हुई। इसके बाद बौद्धिक सत्र को सम्बोधित करते हुए पूर्व सांसद ने सम्मान समारोह के आयोजन के उद्दश्यों पर प्रकाश डाला। कहा कि उनका प्रयास मंडल के मेधावीयों के लिए एक ऐसा मंच प्रदान करने का था जो छात्रों को सम्मान दिए जाने के साथ ही जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणादायक बन सके। उन्होंने छात्रों से समय के मूल्य को पहचानते हुए कठिन परिश्रम से अपने ऐच्छिक लक्ष्य को प्राप्त करने का आह्वान किया ।

मंच पर मौजूद अन्य वक्ताओं ने भी बच्चों को सम्बोधित करते हुए है सफलता के मंत्र दिए। संचालन डा नवीन सिंह ने किया। इस दौरान योगेंद्र मणि त्रिपाठी, विनय सिंह, सुखद राज सिंह , पिंटू सिंह प्रधान , बुधराम, जगन्नाथ सिंह, लाल विक्रम सिंह, वीरेंद्र पांडे , कौशलेंद्र चौधरी, बदलू राम मिश्रा, सरयू प्रसाद वर्मा, डॉ अरशद रईस प्रबंधक, भूपेंद्र सिंह, शिवपुर, रमेश यादव , ओमप्रकाश गौतम , अजय सिंह, सुनील सिंह प्रतिनिधि बहराइच, अखंड शाही, विष्णु सिंह, डॉ बी एल सिंह प्राचार्य , डॉ अजय मिश्रा, डॉ एमके सिंह, दो देवानंद तिवारी, डॉ सुनील तिवारी, डॉ शिवकुमार सिंह, डॉक्टर शत्रुघ्न सिंह, डॉ श्याम मिश्रा, डॉ राकेश सिंह, डॉ सुनील तिवारी, सोनू सिंह , पिंकल सिंह रहे।

पांच टीमें कर रहीं हत्यारों की तलाश, अभी तक खाली हाथ

संवाददाता–बलरामपुर। पूर्व जिला पंचायत सदस्य की हत्या व डकैती के रहस्य से चार दिन बाद भी पर्दा नहीं उठ सका है। पुलिस छोटे चोरों को सीढ़ी बनाकर घटना अंजाम देने वाले बदमाशों तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। शुक्रवार रात दशरथ सिंह के घर की नौकरानी को बुलाकर पुलिस ने एक बार फिर पूछताछ की है। छह दर्जन से अधिक लोगों को विभिन्न थानों में ले जाकर की गई पूछताछ का कोई नतीजा अभी तक नहीं निकला है।

मंगलवार मध्यरात्रि सुदर्शनजोत निवासी दशरथ सिंह के घर लूटपाट व हत्या की घटना हुई थी। दशरथ सिंह की पत्नी पूर्व जिला पंचायत सदस्य सरोज सिंह का बेरहमी से कत्ल किया गया था। बदमाश अल्मारी में रखा तीन लाख रुपए नकद व सात लाख रुपए के जेवरात तथा लाइसेंसी रिवाल्वर अपने साथ ले गए थे। घटना को अंजाम देने के दौरान बदमाशों ने सभी दरवाजे बाहर से बंद कर दिए थे। हॉलाकि बाद में रिवाल्वर तुलसीपुर बौद्ध परिपथ सड़क किनारे स्थित एक बाग में पड़ा मिला था। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। एसपी विकास कुमार ने घटना अनावरण के लिए पांच टीमें लगाई हैं। पांचों अलग–अलग दिशा में काम कर रही हैं। दशरथ सिंह व उनकी पत्नी नीचे अलग–अलग कमरों में रहते थे। दूसरे मंजिले पर अखिलेश बहादुर सिंह मुन्ना पत्नी के साथ रहते थे। दशरथ सिंह के मुताबिक उन्हें कमरा खोलकर सोने की आदत थी। इसी तरह सरोज सिंह भी कमरा अंदर से बंद नहीं करती थीं। बदमाशों ने दशरथ सिंह के कमरे में कदम नहीं रखा। बल्कि उनके कमरे को बाहर से अंगौछा बांध कर लॉक कर दिया। बदमाशों को इस बात की पहले से थी कि घर की नकदी व जेवरात सरोज सिंह के कमरे में रहता है। दशरथ सिंह के यहां किसी बाहरी व्यक्ति को घर में घुसने की अनुमति नहीं है। महिला सदस्य के रूप में गांव की ही एक नौकरानी काम करती है। बताया जाता है कि नौकरानी घटना के तीन दिन पूर्व से ही काम पर नहीं आ रही थी। उसे घर के चप्पे–चप्पे के बारे में जानकारी है। पुलिस उससे दो बार पहले भी बात कर चुकी है। शुक्रवार को एएसपी नम्रिता श्रीवास्तव ने नौकरानी को बुलाकर विस्तृत पूछताछ की। बाद में उसे छोड़ दिया गया।

विकास कुमार, पुलिस अधीक्षक ने कहा कि निबोरिया कांड का राजफाश करने के लिए पुलिस अथक परिश्रम कर रही है। बदमाशों की तलाश युद्ध स्तर पर चल रही है। शीघ्र ही घटना का राजफाश होगा। मथुरा बाजार में मूर्ति चोरों का पता लगाया जा रहा है। सादुल्लाह नगर में हुई चोरी की घटना शीघ्र ही खुलेगी।

शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण करें निस्तारण

संवाददाता–बलरामपुर। जिले के तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान का आयोजन कर आम जनमानस की शिकायतें सुनी गईं। तुलसीपुर में आयोजित जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में देवीपाटन मंडल के कमिश्नर शशिभूषण लाल सुशील व डीआईजी अमरेन्द्र प्रसाद ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। मंडलायुक्त ने शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने का निर्देश दिए। तुलसीपुर में आयोजित जिला स्तरीय सम्पूर्ण समाधान दिवस में मंडलायुक्त ने शिकायत निस्तारण पंजिका का अवलोकन किया। अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों का समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण किया जाए। उन्होंने आईजीआरएस के माध्यम से प्राप्त हो रही शिकायतों का फीडबैक शिकायतकर्ता से लेते हुए निस्तारण करने के निर्देश दिए। यहां पर 34 मामले आए, जिसमें से छह का मौके पर निस्तारण किया गया। इस अवसर पर डीएम पवन अग्रवाल, एसपी विकास कुमार, एसडीएम अभय कुमार सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे। सदर तहसील से सीडीओ हिमांशु गुप्ता की अध्यक्षता में समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। एसडीएम संजीव कुमार यादव व तहसीलदार अखिलेश कुमार ने सम्पूर्ण समाधान दिवस में आने वाले फरियादियों की समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना–पत्रों का गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। यहां पर 42 मामले आए जिसमें से तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। इस अवसर पर सीओ बृजनंदन राय, नायब तहसीलदार अनुपम शुक्ला सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद थे। उतरौला एसडीएम अवधेश कुमार ने फरियादियों की शिकायतें सुनीं। यहां पर कुल 37 मामले आए जिसमें से दो का मौके पर निस्तारण किया गया।

संगठित होकर नशे के विरुद्ध लड़ना है जंग -डा. देवेन्द्र

संवाददाता–बलरामपुर। नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को एमएलके पीजी कॉलेज से एक युद्ध नशे के विरुद्ध रैली निकाली गई। जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र, एनसीसी कैडेट, युवक मंडल दल, ऑगनबाड़ी कार्यकत्री व आशा बहू आदि ने प्रतिभाग किया। रैली का शुभारंभ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा ने किया। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा ने नशे के विरुद्ध जन समूह को जागरूक करते हुए कहा कि हम सभी को संगठित होकर इस जंग से लड़ना है। नशा इंसान को खोखला कर देता है। आर्थिक व शारीरिक रूप से कमजोर होने के साथ–साथ इंसान का नैतिक पतन भी हो जाता है। हमें अपने साथ–साथ अपने आस पास के ऐसे लोग जो नशे की लत के शिकार हो गए हैं उन्हें इससे दूर करने के लिए जागरूक करना होगा। अध्यक्ष ने आम जनमान से नशे के विरुद्ध शपथ ग्रहण करया। रैली में राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, एमपीपी इंटर कॉलेज, सीएमएस, डीएवी, मार्डन, आदर्श बाल विद्यालय के छात्र शामिल हुए। इसके अलावा एनसीसी, एसएनएस, स्काउट, युवक मंगल दल, नेहरू युवा केन्द्र, प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक, आशा बहू व ऑगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर एएसपी नम्रिता श्रीवास्तव, डीआईओएस मृदुला आनंद, बीएसए शुभम शुक्ला सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संतों की उपस्थिति में मनाया गया 106वां स्थापना दिवस

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। भगवान श्री राम की नगरी अयोध्या में श्री श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, बड़ा भक्तमाल के महंत अवधेश कुमार दास, श्री राम वल्लभा कुंज वेदांती मंदिर के अधिकारी राजकुमार दास,हनुमानगढ़ी वे महंत श्री तेजपाल दास और श्री राम जन्मभूमि की क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के उपस्थिति में यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया क्षेत्रीय कार्यालय अयोध्या के अधीन संचालित होने वाली सभी 65 शाखाओं और विभागों ने धूमधाम से 106 वां स्थापना दिवस पंचशील में मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया।महंत कमलनयन दास, चंपत राय, अयोध्या नगर आयुक्त संतोष शर्मा ने तकनीक युक्त बैंकिंग , बैंकिंग एवं वित्तीय समावेशन और इसके सामाजिक प्रभाव पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर महर्षि वाल्मीकि एयरपोर्ट के निर्देश विनोद कुमार, सीआरपीएफ कमांडेंट नीरज कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी मधुबन सिंह, अयोध्या के प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, समाजसेवी शैलेंद्र मोहन सिंह सहित स्थापना दिवस समारोह में गणमान्य अधिकारी समाजसेवी उपस्थित रहे। क्षेत्रीय प्रमुख अयोध्या हिमांशु मिश्रा ने आए हुए अतिथियों कर्मचारियों का स्वागत सम्मान किया।

सड़क हादसों में वृद्ध की मौत, पांच लोग घायल हुए

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के अलग अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटना में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। जबकि मोपेड सवार एक वृद्ध की घटनास्थल पर मौत हो गई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराने के साथ ही पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कोतवाली क्षेत्र भिनगा के ग्राम पंचायत पटना खारगौरा के मजरा पटना निवासी राम कुमार तिवारी उर्फ मुंशी (60) पुत्र महराजदीन शनिवार सुबह अपनी मोपेड बाइक से हरिहरपुररानी के लखराव मेला जा रहा था। इस दौरान भिनगा बहराइच मार्ग पर हरिहरपुर मोड़ के पास पहुंचते ही दूसरे बाइक सवार ने तेज टक्कर मार दी। हादसे में मोपेड सवार राम कुमार तिवारी गंभीररूप से घायल हो गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंचे परिजनों में शव देखते ही चीख पुकार मच गई। लोगों की ओर से हादसे की सूचना पुलिस को दी गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के भाई सदानंद तिवारी ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग को है। इसी तरह से जनपद मुरादाबाद सिविल लाइन भगवानपुर निवासी शिवकुमार (24) पुत्र राजाराम व रघुराज (30) पुत्र राजेंद्र शनिवार सुबह बाइक से जड़ी बूटी की दुकान लगाने के लिए इकौना क्षेत्र के सीताद्वार मेला आ रहे थे। इस दौरान इकौना के मोहनीपुर के पास दूसरे बाइक सवार से टक्कर हो गई। जिसमें मुरादाबाद निवासी दोनों बाइक सवार गंभीररूप से घायल हो गए। दोनों को सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। जहां हालत गंभीर देख जिला अस्पताल बहराइच रेफर कर दिया गया। इकौना के अढ़ुवापुर गांव के पास दो बाईकों में आमने सामने की टक्कर हो गई। हादसे में गिलौला के हन्नामार निवासी श्याम सुंदर पाठक (25) पुत्र अर्जुन प्रसाद पाठक व इकौना के मैनिहवा मदारा निवासी रंजीत यादव उर्फ बिन्नू (18) पुत्र रामरूप यादव तथा लवकुश (15) पुत्र दीनानाथ गंभीररूप से घायल हो गए।

जनकपुर धाम से तिलक और निमंत्रण लेकर अयोध्या हुए रवाना

संवाददाता–महराजगंज। नेपाल के जनकपुर धाम में विवाह पंचमी महोत्सव का आगाज हो गया है। जनकपुर धाम से विश्व हिन्दू परिषद नेपाल के पदाधिकारी तिलक और निमंत्रण पत्र लेकर अयोध्या के लिए रवाना हुए हैं। भगवान श्रीराम और सीता के विवाह को लेकर अयोध्या से आने वाले लोगों के लिए 500 तिलकधारी निमंत्रण पत्र लेकर शनिवार को अयोध्या के लिए रवाना हुए। मधेश के मुख्यमंत्री सतीश कुमार सिंह ने तिलक ले जाने वाली टीम को विदाई दी। मुख्यमंत्री सिंह का रविवार को फिर वीरगंज में इस दल में शामिल होने और फिर तिलक के साथ अयोध्या जाने का कार्यक्रम है। तिलक लेकर जाने वाला जत्थ अयोध्या पहुंचकर विश्व हिन्दू परिषद के महासचिव राजेन्द्र सिंह की अगुवाई में चंपत राय को तिलक के साथ जानकी मंदिर का निमंत्रण पत्र

सौंपेगा। मधेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि तिलक महोत्सव भव्यता के साथ संपन्न होगा।

त्रेता युग से चले आ रहे इस रिश्ते को जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया गया। मधेश के मुख्यमंत्री सिह का कहना है कि यह धार्मिक पर्यटकों के लिए भी अहम होगा। वहीं, जानकी मंदिर के महंत रामतपेश्वर दास ने कहा कि नेपाल और भारत के बीच प्राचीन रिश्ता है। यह रिश्ता कभी कमजोर नहीं होना चाहिए। विश्व हिन्दू परिषद की पिछले वर्ष की गतिविधियों के अनुरूप इस वर्ष भी सामूहिक विवाह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। विवाह पंचमी महोत्सव 17 से आगामी 21 दिसंबर तक धूमधाम से चलेगा।

श्रीराम लला के मंदिर में विराजमान होने के बाद मनाऊंगा देव दीपावली –सुरेश यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। सप्तपूरियों में प्रथम पुरी अयोध्या में दीपोत्सव के बाद कार्तिक पूर्णिमा पर मां सरयू के पावन तट संत तुलसीदास घाट कच्चा घाट पर भव्य देव दीपावली मनाई गई समाजसेवी संस्थान अयोध्या धाम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव और नमामी सरयू सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष पुरोहित राजा महाराज के संयोजन में पूरे घाट को दीपों से सजाकर प्रभु श्री राम अपने जन्म स्थान पर विराजमान हो गए हैं और उनके विराजमान होने के बाद यह पहले देव दीपावली थी इसके खुशी में दीपोत्सव मनाया गया और मां सरयू की भव्य आरती की गई।देव दीपावली कार्यक्रम के संयोजक समाजसेवी संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश यादव ने बताया कि मेरी तमन्ना रही की जब अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य दिव्य मंदिर बन जाएगा तो अयोध्या में देव दीपावली कराऊंगा। अब हमारी मुरादे पूरी हो गई। इसी उपलक्ष्य में आज मां सरयू

के पावन तट पर देव दीपावली का आयोजन किया गया। असंख्य दीपदान किया गया। मां सरयू की पूजा आराधना किया गया। उन्होंने कहा कि योगी और मोदी के शासनकाल में अयोध्या का चारो ओर विकास हो रहा है। आज बनारस में भी देव दीपावली का आयोजन हो रहा है। अयोध्या में भी हमारी संस्था की ओर से विशाल देव दीपावली का आयोजन हुआ। जिसमें नमामी सरयू सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष पुरोहित राजा महाराज के देखरेख में विशाल आरती और दीपदान किया गया। देव दीपावली मनाया गया। साथ ही सभी भक्तों में प्रसाद का वितरण कराएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज सेवी सुरेश यादव का पुरोहित राजा महाराज की ओर से अंग वस्त्र भेंटकर माला पहनाकर स्वागत किया गया।इस मौके पर समाजसेवी संस्थान के जिला अध्यक्ष रविंद्र यादव, सोमई निषाद, राम सिंह, नीरज चौधरी, वासुदेव यादव, आरपी ठाकुर अनवरत आरती के आयोजनकर्ता राजा महाराज सहित अन्य हजारों रामभक्त शामिल रहे।

पूर्व प्रधान की गिरफ्तारी को लेकर शव को सड़क पर रखकर परिजनों ने जताया विरोध

संवाददाता–देवरिया। विकास मद्धेशिया का आरोप है कि मेरा पुश्तैनी मकान है। उस मकान की मरम्मत हो रही है, जिसको पूर्व प्रधान गणेश गिरी, तहसील प्रशासन और चौकी इंचार्ज सुमित कान्त से मिलकर और अवरुद्ध पैदा कर रहे हैं, जिसके चलते मकान को लेकर मेरे पिता गया मद्धेशिया (54) की मौत सदमे से हो गई है। मगहरा मार्ग पर चकरा गोसाई गांव के सामने शव रहकर ग्रामीणों ने जाम कर दिया। परिजनों की मांग है पूर्व प्रधान गणेश गिरी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार हो। सीओ बरहज आदित्य कुमार, तहसीलदार सलेमपुर के आश्वासन के बाद भी ग्रामीण मुकदमा दर्ज नहीं करवा रहे हैं और गिरफ्तारी की मांग पड़े हैं।

थाना क्षेत्र के चकरा गोसाई गांव निवासी विकास मद्धेशिया का आरोप है कि मेरा पुश्तैनी मकान है। उस मकान की मरम्मत हो रही है, जिसको पूर्व प्रधान गणेश गिरी, तहसील प्रशासन और चौकी इंचार्ज सुमित कान्त से मिलकर और अवरुद्ध पैदा कर रहे हैं, जिसके चलते मकान को लेकर मेरे पिता गया मद्धेशिया (54) की मौत सदमे से हो गई है।

शनिवार को ग्रामीणों व परिजनों ने लगभग सुबह 9 के आसपास सड़क पर शव को रखकर धरना प्रदर्शन शुरू कर विरोध जताना शुरू कर दिया। पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी भी करने लगे। सूचना पर पहुंचे सीओ आदित्य कुमार और तहसीलदार सलेमपुर मौके पर पहुंचे और आश्वासन दिए कि उनकी सभी मांगें पूरी की जाएंगी, लेकिन परिजन और ग्रामीण नहीं मानें। इनकी मांग थी कि पहले केस दर्ज करें फिर शव को हटाया जाएगा। सलेमपुर के सांसद रमाशंकर विद्यार्थी भी मौके पर पहुंचकर परिजनों को आश्वासन दिए कि सभी को न्याय मिलेगा। सांसद के आश्वासन पर भी ग्रीमण नहीं माने। पुलिस और प्रशासन की तरफ से प्रयास किया जा रहा है।

सूबे का पहला बीज पार्क अटरी में बनेगा –सूर्य प्रताप शाही

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्नाथ की अगुवाई वाली सरकार किसानों के हित में लखनऊ के अटारी में 200 एकड़ में बीज पार्क की स्थापना करेगी। सूबे का पहला बीज पार्क लखनऊ के अटारी में 200 एकड़ में पीपीपी मोड पर बनाया जाएगा। सरकार की मंशा सूबे के 09 कृषि जलवायु क्षेत्रों में होने वाली फसलों के मद्देनजर कुल 05 बीज पार्क बनाने की है। ये बीज पार्क वेस्टर्न जोन, तराई जोन, सेंट्रल जोन, बुंदेलखंड और ईस्टर्न जोन में पीपीपी मॉडल पर बनाए जाएंगे। रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल (आरएफपी) की प्रक्रिया फिलहाल चल रही है। सूर्य प्रताप शाही, शनिवार को गोरखपुर के सर्किट हाउस सभागार में पत्रकारों से मुखातिब थे। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में हर साल 50 लाख कुंतल बीज की आवश्यकता होती है। 30 लाख कुंतल बीज प्रदेश में ही उत्पादित होता है, शेष 20 लाख क्विंटल बाहर से मंगाते हैं। हाइब्रिड बीज उत्पादन सूबे में हो ही नहीं सकता लिहाजा उसके लिए दूसरे राज्यों पर निर्भरता मजबूरी है। सरकार की मंशा है कि किसानों को राज्य में ही उत्पादित बीज उपलब्ध कराएं। इससे दूसरे राज्यों पर बीज की निर्भरता खत्म होने के साथ उत्पादन में भी सुधार होगा।

किसान गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन से जुड़ेंगे जिससे उनकी आय में भी इजाफा होगा। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए हैदराबाद का दो बार दौरा कर वहां बीज उत्पादन से जुड़ी निजी कंपनियों से भी वार्ता भी की है। ताकि वे लखनऊ आए और बीज पार्क की योजना में शामिल हों।

प्रदेश सरकार को हर साल करीब 3000 करोड़ रुपये बाहर के बीज में खर्च करने पड़ते हैं। सभी फसलों के हाइब्रिड बीज तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश से आते हैं। विभागीय आंकड़ों के अनुसार गेहूं के 22 फीसदी, धान के 51 फीसदी, मक्का के 74 फीसदी, जौं के 95 फीसदी, दलहन के 50 फीसदी और तिलहन के 52 फीसदी बीज गैर राज्यों से आते हैं।

अभाविप नव निर्वाचित राष्ट्रीय महामंत्री का हुआ भव्य स्वागत

संवाददाता–गोरखपुर। अभाविप के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी का भव्य स्वागत गोरखपुर रेलवे स्टेशन पर किया गया। राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में डॉ वीरेंद्र सोलंकी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय अधिवेशन के प्रथम दिवस पर पदभार ग्रहण करेंगे।

अभाविप गोरक्ष प्रांत मंत्री मयंक राय ने कहा कि राष्ट्रीय अधिवेशन विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं का प्रमुख कार्यक्रम है, जिसके हेतु कार्यकर्ता साल भर इंतजार करते हैं।

राष्ट्रीय अधिवेशन को भव्यता प्रदान कराने हेतु कार्यकर्ता निरंतर कार्य कर रहे हैं और गोरखपुर की धरा पर आगामी 22 से 24 नवंबर को अखिल भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे कार्यकर्ता नजर आएंगे। अभाविप के राष्ट्रीय महामंत्री श्री याज्ञवल्क्य शुक्ल के साथ नवनिर्वाचित महामंत्री डॉ वीरेंद्र सोलंकी का गोरखपुर आगमन हुआ है, जिनका कार्यकर्ताओं द्वारा भव्यता से स्वागत किया गया।

गांजा के आरोपी को एक वर्ष तीन माह का कारावास, एक हजार का अर्थदण्ड

संवाददाता–संतकबीरनगर। अपराध स्वीकार करने पर गांजा के एक आरोपी को एडीजे फास्ट ट्रैक द्वितीय एवं विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट देवेन्द्र नाथ गोस्वामी की कोर्ट ने दोषसिद्ध करार देते हुए एक वर्ष तीन माह के कारावास की सजा सुनाया। आरोपी आशीष गुप्ता उर्फ गचई पर कोर्ट ने सजा के साथ एक हजार रुपए के अर्थदण्ड का भी फैसला दिया। अर्थदण्ड का भुगतान न करने पर आरोपी को पांच दिन की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी ।

विशेष लोक अभियोजक एनडीपीएस एक्ट हरिकेश त्रिपाठी ने बताया कि मामला जिले के कोतवाली खलीलाबाद थानाक्षेत्र के मगहर का है । प्रकरण में तत्कालीन पुलिस चौकी प्रभारी मगहर हरि नारायण दीक्षित ने अभियोग पंजीकृत कराया था। उनका आरोप था कि 10 जुलाई 2021 को वह वारंटी की तलाश में क्षेत्र भ्रमण पर थे । इसी बीच मुखबिर से सूचना मिली कि एक व्यक्ति अवैध गांजा लेकर कहीं जाने के प्रयास में है। सूचना पर विश्वास करके हमराही पुलिस कर्मियों के साथ पंहुचा तो आरोपी पुलिस वालों को देखकर भागने लगा। पुलिस कर्मियों के सहयोग से आरोपी को घेरकर पकड़ लिया गया। आरोपी से नाम पता पूछा गया तो उसने अपना नाम आशीष गुप्ता उर्फ गचई पुत्र श्रीराम गुप्ता मोहल्ला काजीपुर तेली टोला नगर पंचायत मगहर थाना कोतवाली खलीलाबाद बताया। तलाशी के दौरान आरोपी के पास से एक किग्रा 200 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। आरोपी के विरुद्ध धारा 8द्ध 20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत हुआ । विवेचना के उपरांत पुलिस ने आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया । विशेष लोक अभियोजक एनडीपीएस एक्ट हरिकेश त्रिपाठी ने बताया कि विचारण के दौरान आरोपी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया । एडीजे फास्ट ट्रैक द्वितीय व विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट देवेन्द्र नाथ गोस्वामी की कोर्ट ने पक्षों की बहस सुनने के पश्चात आरोपी को दोषसिद्ध करार दिया ।

गायत्री यज्ञ के लिये निकली कलश यात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती।शनिवार को अखिल विश्व गायत्री परिवार शांति कुंज हरिद्वार के तत्वाधान मे चौबीस कुंडीय गायत्री यज्ञ एवं प्रज्ञा पुराण की पवित्र कथा गायत्री परिवार कप्तानगंज द्वारा आयोजित की गई है। यह धार्मिक अनुष्ठान का कार्यक्रम 16 नवंबर से 19 नवंबर तक तक आयोजित किया गया है। कार्यक्रम के प्रथम दिन आयोजन स्थल माँ गायत्री इंटर कॉलेज कप्तानगंज परिसर से माँ गायत्री इंटर कालेज, पं चतुर्भुज तिवारी विमला देवी इंटर कालेज कप्तानगंज, श्रीमती एस आर पी स्कूल गोटवा बाजार के छात्र छात्राओ सहित क्षेत्र के साइको धार्मिक अनुरागियों ने आज के कार्यक्रम भव्य कलश यात्रा मे हिस्सा लिया।

कलश यात्रा मे शामिल श्रद्धालुओं पर नगर पंचायत कप्तानगंज के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश चौधरी, प्रबंधक रिपब्लिक इंटर कॉलेज अनिल कुमार तिवारी, गोपी नाथ मिश्र, डॉ अरविंद मिश्र प्रधानाचार्य मां गायत्री इंटर कॉलेज, अशोक कुमार मिश्रा प्रबंधक मां गायत्री इंटर कॉलेज द्वारा पुष्प वर्षा किया गया। कार्यक्रम में मनोज कुमार तिवारी, शनि यादव, हरिओम तिवारी, राजकुमार पाण्डेय, सुनील, राजेश कुमार पाण्डेय, डॉ प्रेम चंद मिश्र, राम रतन, ज्योति सिंह, पूनम पाण्डेय विभा पाण्डेय, जितेंद्र वर्मा, चंद्र पाल, बैजनाथ मिश्र सहित हजारों भक्त मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ में जैसे है शाखाओं का महत्व, विहिप में वैसे है सत्संग का महत्व –राजेश

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर स्थित विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय कार्यालय पर आज दो दिवसीय प्रांत सत्संग प्रशिक्षण वर्ग का विधिवत शुभारंभ हुआ।सत्संग प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ विश्व हिंदू परिषद गोरक्ष प्रांत के प्रांत संगठन मंत्री राजेश जी लखनऊ क्षेत्र के क्षेत्र सत्संग प्रमुख दिवाकर जी एवं मेरठ क्षेत्र के सत्संग प्रमुख राम कृष्ण जी ने संयुक्त रूप से राम दरबार के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए विश्व हिंदू परिषद के प्रांत संगठन मंत्री राजेश ने विश्व हिंदू परिषद के में सत्संग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस प्रकार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शाखाओ का महत्व है उसी प्रकार विश्व हिंदू परिषद में सत्संग क्या महत्व है। सत्संग के माध्यम से हम आम जनमानस से जुड़ते हैं और आम जनमानस में धर्म और देश प्रेम की भावना को जागृत करने का भी कार्य करते हैं साथ ही हमें सत्संग के माध्यम से नवीन कार्यकर्ता भी मिलते हैं।

प्रत्येक प्रखंडों में सत्संग नियमित और सुचारू रूप से चले इसके लिए आज प्रांत के सभी 21जिलों के सत्संग प्रमुखों का अभ्यास वर्ग प्रारंभ हो रहा है। आपके द्वारा समाज में ऊर्जा और चेतना का संचार सत्संगों के माध्यम से होने वाला है अतः इन दो दिनों में आप सत्संग के सारे विषयों को आत्मसात करें ताकि आप के द्वारा चलाए जाने वाले सत्संग से नौ चेतना का संचार हो सकें। प्रशिक्षण वर्ग के आगामी सत्रों को क्षेत्र सत्संग प्रमुख दिवाकर जी और राम कृष्ण जी ने भी संबोधित किया।

सत्संग की प्रस्तावना प्रांत सत्संग प्रमुख अश्वनी ओझा ने एवं संचालन महानगर संगठन मंत्री सोमेश ने किया।वर्ग में मुख्य रूप से प्रांत प्रचार प्रचार प्रमुख दुर्गेश त्रिपाठी ,प्रांत सह सत्संग प्रमुख शैलेश, विभाग संगठन मंत्री मनीष, प्रांत धर्म प्रसार के कार्यकर्ता अमरजीत विभाग मंत्री शीतल समेत 21 जिलों से आए सत्संग प्रमुख सत्संग प्रमुख उपस्थित रहे।

आतंकी हमले की धमकी के बाद अभेद्य किले में बदली रही अयोध्या

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी के बाद यहां पहरा कड़ा कर दिया गया है। इसको लेकर रामनगरी की सुरक्षा सख्त की गई है। अयोध्या अभेद्य किले में बदल गई है। खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर से 16 नवंबर को हमले की धमकी दी गई थी। अयोध्या के प्रवेश द्वारों पर सुरक्षा घेरा सख्त कर दिया गया है। एसपी सुरक्षा बलरामाचारी दुबे के साथ एटीएस, सीआरपीएफ, पीएसी के जवानों ने रूट मार्च कर लोगों को सुरक्षा के प्रति आश्वस्त किया। अयोध्या के प्रवेश द्वार से लेकर राम जन्मभूमि परिसर तक रुट मार्च किया गया। रामनगरी के सभी प्रवेश द्वारों पर सीसीटीवी से निगरानी की जा रही है। सभी बैरियरों पर सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। रामनगरी में प्रवेश करने वाले सभी वाहनों की तलाशी हो रही है। बम स्क्वायड, डॉग स्क्वायड और एटीएस के साथ खुफिया एजेंसी भी अलर्ट पर रहे।

हिंदू युवती से की लव मैरिजः अब दूसरी पर आया जीशान का दिल, इस कदर हुआ अंधा, एक माह की बेटी को दी दर्दनाक मौत

संवाददाता–अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर में आरोपी पति अपनी पत्नी से विवाद के बाद एक माह की पुत्री को लेकर भाग गया। उसने बेटी को सरयू नदी में फेंक दिया। पानी में तड़पकर मासूम की जान निकल गई। अलग–अलग धर्म के युवक–युवती ने तीन वर्ष पहले प्रेम विवाह किया था। पीड़ित मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामला जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के माडरमऊ गांव का है। यहां का निवासी जीशान ने लगभग तीन वर्ष पहले थाना क्षेत्र के मगनपुर महिमापुर की रहने वाली युवती संगम से परिजनों की इच्छा के विपरीत प्रेम विवाह कर लिया था। उस समय जीशान एक स्कूल में बस चलाता था। वहां से उसे उस समय हटा दिया गया। जीशान व संगम आलापुर तहसील मुख्यालय रामनगर में किराए का कमरा लेकर रहने लगे। रामनगर में ही वह दोनों पिछले आठ माह से एक नए घर में बतौर किरायेदार रह रहे थे।

संगम का आरोप है कि 12 नवंबर की शाम जीशान उसकी एक माह की पुत्री को लेकर चला गया। फोन करने पर वह कभी घूमने निकलने तो कभी आत्महत्या कर बेटी को मार डालने की बात कहता रहा। संगम ने किसी तरह रात बिताया। अगले दिन उसने फिर जीशान को फोन किया तो वह सब कुछ सामान्य होने का हवाला देकर वापस आने की बात कहता रहा। अन्ततरू 14 नवंबर की शाम संगम ने पुलिस को सूचित किया। आलापुर पुलिस ने जीशान की तलाश शुरू कर दी। 15 नवंबर की देर शाम जब जीशान पुलिस की पकड़ में आया तो उसने पहले तो मासूम को ले जाने से इंकार कर दिया। फिर स्वीकार किया कि मासूम को जहांगीरगंज थाना क्षेत्र अन्तर्गत बिड़हर घाट लेकर जाकर सरयू नदी में फेंक दिया था। पुलिस ने शनिवार को नदी में तलाश अभियान चलाया लेकिन सफलता नहीं मिली। पुलिस ने इस बीच संगम की तहरीर पर पति के खिलाफ कई धाराओं में केस दर्ज कर शनिवार दोपहर बाद जेल भेज दिया।

संगम ने बताया कि जब से उसे पुत्री हुई है तब से अक्सर वह झगड़ा करता रहता था। पुत्री होने से ही वह नाराज था। पिछले काफी समय से वह कहीं और शादी करने की बात कह रहा था। इसीलिए वह अक्सर झगड़ा करता था। 12 नवंबर को जीशान उसे व पुत्री को साथ लेकर आजमगढ़ के भैरव बाबा धार्मिक स्थल गया था। वहां से बोलेरो जीप से ही वह सब वापस लौटे। थोड़ी ही देर बाद वह पुत्री को लेकर गायब हो गया। इसके बाद बिड़हर घाट पुल पर पहुंचकर उसने वहां से पत्नी को व्हाटसएप पर फोटो भेजा। पत्नी ने फौरन फोन किया तो वह बोला कि पुत्री को मार डालेगा। यह नहीं रहेगी तो मेरा विवाह आसानी से हो जाएगा। संगम के अनुसार वह काफी रोने गिड़गिड़ाने लगी तो वह मान गया। इसके बाद पुत्री को लेकर बड़ा गांव स्थित रिश्तेदारी चला गया। वहां से निकलकर उसने 13 नवंबर की भोर में पुत्री को नदी में फेंक दिया। जीशान ने यह सब कुछ पुलिस हिरासत में आने के बाद पत्नी व पुलिसकर्मियों को बताया।

एक माह की मासूम पुत्री की हत्या कर देने की जानकारी होते ही शुक्रवार देर शाम महिला संगम की हालत बिगड़ गई। वह बेसुध होने लगी। आलापुर थाने की महिला पुलिसकर्मियों ने उसे सहारा दिया। इसके बाद महिला को जिला अस्पताल स्थित वन स्टाप सेंटर में दाखिल करा दिया गया। एसओ आलापुर राकेश कुमार ने बताया कि घटना को लेकर महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। इलाज के साथ ही उसकी पूरी तरह मदद की जा रही है। उसके साथ ड्यूटी लगाई गई है, जिससे कोई प्रतिकूल परिस्थिति उत्पन्न न होने पाए। एएसपी पूर्वी श्यामदेव ने बताया कि मासूम के शव की बरामदगी के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। नदी के किनारे जांच कराई जा रही है। गोताखोरों को भी लगाया गया है।

बड़हलगंज में विवाहिता का शव पंखे से लटका मिला

संवाददाता–गोरखपुर। क्षेत्र के संसारपार गांव में 22 वर्षीय विवाहिता रूबी खातून पत्नी अमन अहमद का शव शनिवार की सुबह उसके घर में पंखे से लटका मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रूबी का पति अमन दुबई में रहकर काम करता है। अभी दो माह पूर्व दुबई गया है। वह 6 वर्षीय पुत्री व 4 वर्षीय पुत्र की मां थी। परिवारीजनों ने बताया कि रूबी के जेठ की बेटी ने रूबी का शव पंखे से लटका देखा। उसने दुकान पर मौजूद अपने पिता फिरोज को फोन कर जानकारी दी। घबराये फिरोज कुछ लोगों को साथ लेकर कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को पंखे से उतरकर सीएचसी बड़हलगंज ले गए। जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। फिरोज ने पुलिस को सूचना दी। फिरोज की बेटी ने बताया कि शनिवार की सुबह ही फोन पर पति से किसी बात पर रूबी का झगड़ा हुआ था।

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या0प्र0 संहिता 1908)
प्रकीर्णवाद सं0–46/2011
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) स्थान–बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

मो0 उमर
बनाम
बसंत आदि

साकिनान हरिहरपुर तप्पा सगरा परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला–बस्ती

1. बसंत पुत्र वंशू 2. परशुराम पुत्र वंशू 3. चन्द्रभान 4. चन्द्रभूषण उर्फ सुधाकर पुत्रगण वेदान्ती 5. हेमन्त कुमार 6. महेन्द्र कुमार 7. शेषमणि पुत्रगण माता प्रसाद 8. विसम्भर 9. विश्वनाथ पुत्रगण पियारे 10. मो0 मुस्तफा 11. मो0 मुर्तजा पुत्रगण अजमत अली साकिनान बेलवा लगुनही तप्पा खेसरहा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जनपद सिद्धार्थ नगर

तारीख पेशी 03–01–2025

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **03.01.2025** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

खेल प्रतियोगिता में दिखाया दम

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती।बाल दिवस के अवसर पर यूनीक साइंस एकेडमी तथा यूनीक ग्लोबल एकेडमी के छात्र और छात्राओं का दो दिवसीय खेल का आयोजन यूनीक ग्लोबल एकेडमी भगवतीपुरम पायकपुर के परिसर में हुआ। यूनीक ग्लोबल एकेडमी के निदेशक आलोक कुमार श्रीवास्तव,सह निदेशक मनोज कुमार श्रीवास्तव एवं उपाध्यक्ष सुनील कुमार श्रीवास्तव ने फीता काटकर राष्ट्रगान के साथ खेल शुरू हुआ। खेल में प्राइमरी वर्ग से 50 मीटर दौड़ में बालक वर्ग से दिव्यांश,आलोक प्रथम शिवांश,आयु कृष्णा द्वितीय श्रेयांश, आयुष,बृजेश तृतीय स्थान ।

बालिका वर्ग से आराध्या,सोनल ने प्रथम स्थान ओजस्वी, मुग्धा ने जूनियर द्वितीय स्थान आस्था श्रीवास्तव, आकृति ने तृतीय स्थान,100 मीटर दौड़ में बालिका कुनाल, सिराजुद्दीन ,लक्ष्य शुक्ला प्रथम स्थान मोहम्मद हमजा, आनन्द,अभिषेक जैकर द्वितीय स्थान, आदर्श अग्रहरि,मयंक,, आदर्श पाण्डेय तृतीय बालिका वर्ग में सरगुन, वैष्णवी, अर्चिता, अनु पांडेय ने प्रथम श्रद्धा, सीमा, अनामिका वर्मा,हर्षिता पटेल द्वितीय स्थान अनुप्रिया, अलीना जमाल,खुशी ने तृतीय स्थान, सीनियर वर्ग में 200 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में आशुतोष वर्मा, शिवा यादव प्रथम, शिवांश चौधरी आदित्य प्रजापति द्वितीय स्थान, शौर्य पाण्डेय, शिवम् यादव ने तृतीय स्थान लंबी कूद में यश नारायण सिराजुद्दीन ,अभिषेक ,शिवांश चौधरी,प्रभात ने प्रथम मोहम्मद हमजा,,अंकुर चौहान, सर्वेश पाण्डेय ऋषभ चौधरी, रितेश यादव द्वितीय स्थान युग श्रीवास्तव, अश्मित श्रीवास्तव, अनुराग यादव, शिवांश त्रिपाठी राज ने तृतीय स्थान प्राप्त किया ।अन्य खेल का आयोजन कल किया जाएगा।सभी शामिल बच्चो को यूनीक साइंस एकेडमी के प्रधानाचार्य राजेश श्रीवास्तव तथा यूनीक ग्लोबल एकेडमी के प्रधानाचार्य सुभाष यादव ने बच्चों को उत्साहवर्धन किया।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–1227/2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

पवन कुमार मिश्रा
बनाम
श्रीमती उमा देवी

1. श्रीमती उमा देवी उम्र लगभग 45 वर्ष पत्नी संतोष कुमार साकिन अतरौलिया तहसील बूढनपुर जिला आजमगढ़ हाल मुकाम पाण्डेय बाजार तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 20–11–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 20 माह 11 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

राम विवाहोत्सवः जनकपुर से तिलकहरुओं का आगमन शुरू

संवाददाता–अयोध्या। प्रभु श्रीराम का शुभ तिलकोत्सव 18 नवम्बर सोमवार को दोपहर दो बजे रामसेवक पुरम में पूरे विधि–विधान पूर्वक आयोजित किया जाएगा द्य लगभग 300 से अधिक जनकपुरवासी तिलकहरुओं के प्रतिनिधि रुप में विहिप के नेपाल राष्ट्र के उपाध्यक्ष रघुनाथ शाह के नेतृत्व में दर्जनों सदस्य यहां पहुंच गये है। इन्हें रामकोट स्थित श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के आवासीय कार्यालय में ठहराया गया है।

श्रीसीताराम विवाहोत्सव समिति के संयोजक व विहिप के केन्द्रीय मंत्री राजेन्द्र सिंह पंकज ने बताया कि शेष सभी तिलकहरुओं का आगमन रविवार की सायं तक होगा। बताया गया कि इन्हें सम्मान और सुविधा पूर्वक ठहराने के लिए कारसेवकपुरम, अभयदाता हनुमान आश्रम, विवेक सृष्टि, माता सरस्वती देवी मंदिर, तीर्थ क्षेत्र भवन में व्यवस्था की गईं है द्य तिलक उत्सव समारोह के लिए रामसेवकपुरम परिसर में तैयार किए गए मंच पर राम के स्वरूप में सुसज्जित चौक पर स्थित सिंहासन पर विराजित किया जाएगा। जनकपुर के तिलकहरू अपने साथ कांसे के थाल, दो कटोरी, गिलास, चम्मच आदि पांच परम्परागत बर्तनों सहित अन्य बर्तन लाएंगे । इसके अलावा पीली धोती, गमछा, करधनी (डाड़ा), हल्दी गांठ, चंदन गांठ (मुट्ठा), धान, पीले चावल, दूर्वा (दूब घास), पान, इलायची, सुपारी (पुंगी फल), यज्ञोपवीत (जनेऊ), चांदी के सिक्के, आदि परंपरागत वस्तुएं तिलक समारोह के दौरान राम के स्वरूप को भेंट की जाएगीं।

मधेश प्रदेश नेपाल के मुख्यमंत्री अपने मंत्रिमंडल सदस्यों के साथ रहेंगे मौजूदरूश्री रामजी का तिलक चढ़ाने के लिए सीता जी के छोटे भाई की भूमिका जानकी मंदिर जनकपुर के छोटे महंत रामरोशन शरण निभाएंगें । इस पल के साक्षी बनने के लिए जनकपुर मधेश प्रदेश के मुख्यमंत्री सतीश कुमार सिंह अपने आधा दर्जन मंत्रियो के साथ उपस्थित रहेंगेद्य इसके अलावा विशिष्ट अतिथि के रूप मे जनकपुर के मेयर (महापौर) मनोज कुमार शाह नेपाल के अन्य तीन मेयर के साथ मौजूद रहेंगे द्य तिलकहरुओं के स्वागत भोजन में स्वादिष्ट आलू टिक्की, पापड़ी चाट, छोला, चावल, पूड़ी, मिक्स सब्जी, रायता, पापड़, हलवा आदि का इंतजाम किया गया हैद्य वैदिक आचार्यो के मन्त्रोंच्चार के बीच तिलक चढ़ाया जायेगाद्य साथ ही अयोध्या की महिलाओ की टोली तिलक पर अवध क्षेत्र में गाए जाने वाले परम्परागत लोकगीतो का मंगलगान करेंगी।

कार्यालय–परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी

उ० प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, बस्ती

पत्रांक–57–60/परि०ग्रा०अ०/बस्ती/प्रदर्शनी/पत्रा0/2024–25 दिनाँक 14.11.2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

उ० प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड बस्ती द्वारा दिनाँक 20.12.2024 से 03.01.2025 तक मण्डल स्तरीय खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी के आयोजन राजकीय इन्टर कालेज बस्ती के परिसर में किया जाना है। जिसके लिए टिन–टेन्टेज एंव फर्नीचर कार्य करने वाली अनुभवी व्यापारकर, श्रम विभाग पंजीकृत आयकर दायी, सेवाकर, क्लीयरेंस प्राप्त पंजीकृत तकनीकी एंव फाइनेन्शियल बिड हेतु अलग–अलग मोहरबन्द निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा की जानकारी एंव निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क जमा करके दिनाँक 20.11.2024 तक कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। निविदा प्रपत्र जमा करने की अन्तिम तिथि 23.11.2024 को सांय 4.00 बजे तक है। उक्त निविदा की टेक्निकल बिड दिनाँक 25.11.2024 पूर्वान्ह 11.00 बजे खोली जायेगी। उसके उपरान्त अपरान्ह 3.00 बजे

फाइनेन्शियल बिड खोली जायेगी। तथा उसी दिन अपरान्ह 04.00 बजे समस्त कार्यवाही पूर्ण की जायेगी। उक्त निविदा से सम्बन्धित समस्त कार्यवाही कार्यलय परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी विकास भवन परिसर बस्ती पर प्रदर्शनी समिति एंव निविदादाताओं की उपस्थिति में निष्पादित की जायेगी। टेक्निकल एंव फाइनेन्शियल बिड अलग–अलग डाली जायेगी तथा टेक्निकल बिड उपयुक्त पाये जाने पर फाइनेन्शियल बिड खोली जायेगी। बिना कारण बताये किसी एक निविदा या समस्त निविदा को निरस्त करने का अधिकार परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी बस्ती मण्डल बस्ती को होगा।

(पी0एन0 सिह)
परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी
बस्ती मण्डल, बस्ती

दैनिक
भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com